मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 138
रविवार, 30 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

नौसेना भारत के भविष्य की रक्षकः सीडीएस जनरल चौहान

बोले - महासागरों में छिपा देश का भाग्य, रक्षा में अहम भूमिका

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को भारतीय नौसेना अकादमी, एझिमाला से पासआउट हुए नवनियुक्त नौसेना अधिकारियों को संबोधित किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय नौसेना भारत के भविष्य को सुरक्षित करने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सैन्य शक्ति के किसी भी भविष्य के प्रयोग में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि अतीत में कई मौकों पर, मैंने कहा है कि भारत एक महाद्वीपीय और एक समुद्री शक्ति है। लेकिन भारत का अंतिम भाग्य महासागरों में ही निहित है। और इसमें, भारतीय नौसेना इस भाग्य को सुरक्षित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

अनिल चौहान ने कहा कि मेरा मानना है कि यह पूर्वनिर्धारित है। एक और बात जो मुझे लगता है कि पूर्वनिर्धारित है, वह यह है कि भारतीय नौसेना हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सैन्य शक्ति के किसी भी भविष्य के प्रयोग में निर्णायक भूमिका निभाएगी। नए भर्ती हुए अधिकारियों को सलाह देते हुए, उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि अक्षमता की कीमत जान देकर चुकाई जाती है और उन्हें पेशेवर उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह आपके लिए कोई विकल्प नहीं है। यह एक दायित्व है। पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूर्ण रखें ताकि शांति के समय आप तैयार रहें और युद्ध में आप विजयी हों।

अपनी सेवा के शुरूआती दिनों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि पहले सैन्य रणनीति भौगोलिक विचारों से प्रेरित होती थी, लेकिन अब तकनीक ने इसे कम प्रासंगिक बना दिया है। उन्होंने कहा, ₹जब मैं सेवा में शामिल हुआ था, तब सैन्य रणनीति मुख्यतः भौगोलिक विचारों से प्रेरित होती थी। आज, तकनीक ने भूगोल को पीछे छोड़ दिया है, जिससे यह कम प्रासंगिक हो गया है। अधिकांश सैन्य रणनीति, संचालन कला और यहाँ तक कि छोटी-छोटी रणनीतियों को भी तकनीक ही संचालित करती है। मैं चाहता हूँ कि आप अपने पूरे करियर में इसी पर ध्यान केंद्रित करें। सीडीएस जनरल चौहान ने यह भी उल्लेख किया कि आज के समय में, सशस्त्र बलों के बीच एकीकरण और अंतर-संचालनीयता भविष्य के युद्धों में निर्णायक कारक होंगे। उन्होंने कहा, भविष्य के सभी युद्ध एकीकृत तरीके से लड़े जाएँगे। एकजुटता ही वह मंत्र है जो हम सभी को सफल बनाएगा। हम इसी के अनुरूप तीनों सेनाओं के बीच एकजुटता और एकीकरण को बढ़ावा दे रहे हैं।₹ इससे पहले, आज भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए), एझिमाला ने शरदकालीन सत्र के लिए अपनी पासिंग आउट परेड (पीओपी) का आयोजन किया, जो एक गहन और परिवर्तनकारी प्रशिक्षण व्यवस्था के समापन का प्रतीक है, क्योंकि कैडेट भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और मित्र विदेशी नौसेनाओं में अधिकारी के रूप में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने परेड की समीक्षा की तथा उन प्लाटूनों का निरीक्षण किया जो भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और विश्व भर में अन्य मित्र विदेशी नौसेनाओं में सेवा देने के लिए तैयार हैं।

महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

गोंदिया, 29 नवम्बर। पूर्वी महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में शुक्रवार को वरिष्ठ नक्सली अनंत उर्फ विनोद सय्यना समेत 11 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इन नक्सलियों पर 89 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

पुलिस उप महानिरीक्षक अंकित गोयल (गढ़चिरौली रेंज) ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले ये कार्यकर्ता प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के दरेकसा दलम से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि दरेकसा दलम एमएमसी (महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) क्षेत्र का सबसे सक्रिय दलम है।

गोयल ने कहा कि अधिकांश अपराधी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और मुख्यधारा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। पुलिस मुख्यालय में आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों की पहचान तेलंगाना के करीमनगर जिले के रहने वाले विनोद सय्यान (40), पांडु पुसु वड्डे (35), रानी उर्फ रामे येसु नरोटे (30), संतू उर्फ तिजाउराम धरमसहाय पोरेटी (35), शेवंती रायसिंह पंद्रे (32), काशीराम राज्य बंतुला (62), नक्के सुकलू कारा (55), सन्नू मुडियाम (27), सदु पुलाई सोत्ती (30), शीला चमरू माडवी (40) और रितु भीमा डोडी (20) के रूप में हुई है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के साथ नाश्ते पर हुई मुलाकात सार्थक रही: डी. के. शिवकुमार

कर्नाटक। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने राज्य में जारी नेतृत्व विवाद के बीच शनिवार को कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के साथ नाश्ते पर हुई बैठक में सार्थक चर्चा की।

सिद्धरमैया ने नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा के लिए कांग्रेस आलाकमान के कहने पर उपमुख्यमंत्री को नाश्ते पर आमंत्रित किया था। शिवकुमार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह कावेरी निवास पर माननीय मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से नाश्ते पर मुलाकात की। कर्नाटक की प्राथमिकताओं और आगे की राह पर एक सार्थक चर्चा हुई।

चमोली में कार से टक्कर के बाद दो मोटरसाइकिल सवारों की मृत्यु

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक मोटरसाइकिल की एक कार से भिडंत हो जाने से दो युवकों की मृत्यु हो गयी। पुलिस ने यहां बताया कि हादसा चमोली और पीपलकोटी के बीच बिरही के समीप देर रात हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कार से टक्कर के बाद मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक बुरी तरह जख्मी हो गए और उन्हें तत्काल गोपेश्वर में जिला चिकित्सालय भेजा गया जहां उपचार के दौरान दोनों की मृत्यु हो गयी। मृतकों की पहचान जिले के नंदानगर क्षेत्र के रामणी गांव के रहने वाले कमल सिंह (27) और राहुल सिंह (28) के रूप में हुई है।

तमिलनाडु सीएम का केंद्र पर वार, अर्थव्यवस्था के साथ धोखा का आरोप

तमिलनाडु। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को केंद्र सरकार द्वारा राज्य की मांगों और जरूरतों की कथित उपेक्षा पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में, स्टालिन ने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जहाँ सबसे ज्यादा कर राजस्व और 11.19% की प्रभावशाली आर्थिक वृद्धि दर है। उन्होंने पत्रों, व्यक्तिगत याचिकाओं और विधानसभा प्रस्तावों के माध्यम से की गई कई अपीलों के बावजूद सरकार की चुप्पी की आलोचना की। स्टालिन ने चेतावनी दी कि तमिलनाडु के लोग इस उपेक्षा को बर्दाश्त नहीं करेंगे और अपने अधिकारों के लिए एकजुट होंगे।

स्टालिन ने पर पोस्ट किया कि क्या केंद्र की भाजपा सरकार का तमिलनाडु के लोगों की आवाज को अनसुना करना सही है, जबकि वह सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का दावा करती है तमिलनाडु की माँगों और जरूरतों को अनसुना करना उचित नहीं है, भले ही वे पत्रों, व्यक्तिगत याचिकाओं और विधान सभा प्रस्तावों के माध्यम से प्रस्तुत की गई हों! कोई भी विवेकशील व्यक्ति तमिलनाडु के साथ विश्वासघात को स्वीकार नहीं करेगा।

दो कार की टक्कर होने से पांच लोगों की मौत

कुरनूल, 29 नवम्बर। कुरनूल जिले के कोटेकल गांव में शनिवार को दो कार के बीच आमने-सामने की टक्कर होने से दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

येमिगनूर उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) एन. भार्गवी ने बताया कि दुर्घटना तड़के करीब साढ़े चार बजे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-167 पर हुई। भार्गवी ने कहा, येमिगनूर मंडल के कोटेकल गांव में तड़के दो कार की आमने-सामने की टक्कर होने से पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि हादसे में दो लोग घायल हुए हैं जिनमें से एक की हालत गंभीर है और उसे कुरनूल सरकारी जनरल अस्पताल (जीजीएच) रेफर किया गया है। भार्गवी के अनुसार, हादसे में मारे गए सभी लोग कर्नाटक के रहने वाले थे। इस बीच, पुलिस ने हादसे के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोने का कंगन और 1,11,116 से सम्मानित किए गए वेदमूर्ति देवव्रत

- फूलों की बारीश, पटाखों की गूंज के बीच भव्य रथ-शोभायात्रा, बटूक बने आकर्षण
- 19 वर्षीय देवव्रत महेश रेखे ने शुक्ल यजुर्वेद डंडकम परायण पूर्ण कर रचा इतिहास

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी शनिवार को एक अद्भुत आध्यात्मिक दृश्य की साक्षी बनी, जब 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे का भव्य सम्मान जुलूस पूरे शहर का केंद्रबिंदु बन गया। शंकराचार्य शृंगेरी पीठ के आशीर्वाद से सम्पन्न यह आयोजन, वैदिक परंपरा की उस गरिमा को पुनर्जीवित करने जैसा था, जिसमें अद्वितीय साधना, अलौकिक धैर्य और अनुष्ठानिक शुचिता के लिए युवा ऋषिभाव को प्रणाम किया गया।

रथयात्रा चौराहा से निकलकर महमूरगंज तक चली शोभायात्रा में दक्षिण भारतीय वाद्ययंत्रों की थाप, शंखध्वनि, ढोल - नगाड़े, और बैण्ड - बाजे लगातार गूँजते रहे। रथ के आगे चल रहे 500 से अधिक बटूक पूरे मार्ग का आकर्षण बने रहे। उन्हें देखकर श्रद्धालुओं की तालियां थमती नहीं थीं। रथ को फूलों, कलशों और वैदिक चिह्नों से इस तरह सजाया गया था मानो शहर में किसी देव यात्रा का आगमन हो गया हो। मार्ग भर लोगों ने शोभायात्रा पर फूलों की वर्षा, मालाओं से स्वागत और पटाखों की गूंज से वातावरण को उत्सव में बदल दिया। हर मोड़ पर भीड़ का रेला उमड़ पड़ता था। मतलब साफ है काशी की धरती ने शनिवार को न केवल एक युवा वैदिक प्रतिभा को अभिवादन किया, बल्कि यह भी दिखा दिया कि परंपरा केवल संरक्षित नहीं होती, उत्सव

बनकर पुनर्जीवित भी होती है। देवव्रत का यह सम्मान, सोने का कंगन, 1,11,116 का आशीर्वाद और भव्य शोभायात्रा, काशी की स्मृति में लंबे समय तक दर्ज रहेगा।

देश में 200 साल बाद काशी में वैदिक इतिहास रचने वाले देवव्रत का अद्वितीय सम्मान किया गया. महाराष्ट्र के अहिल्यानगर निवासी 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे ने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनी शाखा के करीब 2000 मंत्रों के दंडक्रम पारायण को लगातार 50 दिनों तक सम्पन्न किया। यह उपलब्धि लगभग 200 वर्ष बाद किसी ने सम्पूर्णता और शास्त्रीय परंपरा के अनुसार की। इसी मौलिक साधना के सम्मान में उन्हें सोने का कंगन और 1,11,116 की सम्मान राशि भेंट की गयी, जो शृंगेरी शंकराचार्य जगद्गुरु भारती तीर्थ जी के आशीर्वाद का प्रतीक था।

समारोह में आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, चिंतामणि गणेश मंदिर के महंत चल्ला सुब्बा राव शास्त्री, प्रो. माधव जनार्दन रटाटे, आचार्य राजाराम शुक्ल, आचार्य हृदयरंजन शर्मा सहित अनेक वैदिक आचार्यों ने उपस्थित होकर देवव्रत को आशीष दिया।

देवव्रत के पिता एवं गुरु महेश चंद्रकांत रेखे, पारायण संयोजक नीलेश केदार जोशी, और श्रोता देवेंद्र रामचंद्र गढीकर का भी सम्मान किया गया। वल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय, रामघाट में 2 अक्टूबर से 30 नवंबर तक सम्पन्न यह पारायण काशी के वैदिक परंपरा को नई चमक देने वाला सिद्ध हुआ। सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक चलने वाला दंडक्रम पारायण अपनी कठिनतम विधि और उच्चारण - शुद्धता के लिए जाना जाता है। इतनी कम उम्र में इसे निरंतर करना विद्वानों की नजर में असाधारण उपलब्धि है।

कोर्ट ने 7 दिन के लिए बढ़ाई गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई की कस्टडी, सुरक्षा कारणों से मुख्यालय में सुनवाई

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई की हिरासत अवधि 7 दिन और बढ़ा दी है। गंभीर सुरक्षा चिंताओं के चलते, एनआईए जज ने सुनवाई के लिए खुद एनआईए मुख्यालय का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि अनमोल बिश्नोई की सुरक्षा को संभावित खतरे के चलते जज ने सुनवाई अदालत से एनआईए कार्यालय स्थानांतरित कर दी। विशेष सुनवाई एनआईए मुख्यालय के एक सुरक्षित हिस्से में हुई। सुनवाई के बाद, अदालत ने आदेश दिया कि अनमोल बिश्नोई 5 दिसंबर तक एनआईए की हिरासत में रहेगा क्योंकि जाँचकर्ता उससे चल रहे मामलों में पूछताछ जारी रखेंगे। नवंबर में दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने बिश्नोई को 11 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया था।

एनआईए की ओर से अधिवक्ता कुशदीप गौड़ के साथ पेश हुए विशेष लोक अभियोजक राहुल त्यागी ने अदालत में बिश्नोई अपराध सिंडिकेट में अनमोल की संदिग्ध भूमिका का ज़िक्र किया। नेटवर्क का एक प्रमुख सदस्य, अनमोल, 2022 से फरार था और अपने जेल में बंद भाई लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व वाले आतंकी गैंगस्टर सिंडिकेट से जुड़े मामले में गिरफ्तार होने वाला उन्नीसवाँ आरोपी है।

अनमोल जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई है, जिस पर जेल से एक वैश्विक आपराधिक गिरोह चलाने का आरोप है। अनमोल राष्ट्रीय जाँच एजेंसी की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल होने के बाद सुर्खियों में आया था, और उसकी गिरफ्तारी में मददगार जानकारी देने वाले को दस लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई थी। इस मामले में एक महत्वपूर्ण साजिशकर्ता के रूप में नामित, एनआईए ने मार्च 2023 में उसके खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था, जब जाँचकताओं को 2020 और 2023 के बीच पूरे भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने में उसकी प्रत्यक्ष भूमिका के सबूत मिले थे। एजेंसी के अनुसार, उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घोषित आतंकवादी गोल्डी बरार और लॉरेंस बिश्नोई के साथ मिलकर काम किया और विदेशों से महत्वपूर्ण परिचालन सहायता प्रदान की।

नशे का बढ़ता प्रचलन एवं घातक कारोबार- एक गंभीर अलार्म

-ललित गर्ग

भारत में नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन एवं बढ़ता घातक कारोबार आज एक भयावह राष्ट्रीय संकट बन चुका है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। यह समस्या किसी एक राज्य या किसी सीमित क्षेत्र की नहीं रही, बल्कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में यह अपने विकराल रूप में फैल चुकी है। विशेष रूप से किशोर और युवा पीढ़ी जिस तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है, वह एक खतरनाक भविष्य की चेतावनी है। नशा आज केवल व्यक्तिगत बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक विनाश की प्रस्तावना बन चुका है। अंधेरी गलियों में भटकते युवा, परिवारों का टूटता संतुलन, अपराधों में वृद्धि और जीवन मूल्यों का क्षरण-ये सब नशे की महामारी के दुष्परिणाम हैं। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने के लिये अपराध की गलियों गुम होते जा रहे है, तरह-तरह के अपराध कर रहे हैं। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। निश्चित ही यह सम्मेलन इस घातक एवं गंभीर होती समस्या के समाधान में रोशनी बनेगा।

नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि ड्रग व्यापार अब किसी सीमित भौगोलिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। पंजाब, जिसकी आबादी देश की कुल आबादी का मात्र ढाई प्रतिशत है, वहां से देश में बरामद होने वाली हेरोइन का लगभग आधा हिस्सा पकड़ा गया है। यह अकेला तथ्य बताने के लिए पर्याप्त है कि नशीले पदार्थों का नेटवर्क कितना गहरा, विस्तृत और संगठित हो चुका है। हरियाणा की सीमावर्ती जिलों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान राज्य के कुल ड्रग मामलों का लगभग नब्बे प्रतिशत भाग सामने आया है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि तस्करी का रास्ता राज्यों की सीमाओं से गुजर कर पूरे समाज में फैलता जा रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण बताते हैं कि नशे की आदत अब केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि लाखों बच्चे और किशोर और विशेषतः महिलाएं-युवतियां विभिन्न नशीली वस्तुओं के संपर्क में आ चुकी हैं। यह स्थिति सिर्फ चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अगली पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी है। नशे की गिरफ्त में फंसकर बच्चे और युवा मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक जीवन में बुरी तरह पिछड़ रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है, और अपराधों का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है। नशे की वजह से चोरी, लूट, हिंसा, हत्या और यौन अपराध तक बढ़ते जा रहे हैं।

समस्या का यह दूसरा पहलू भी उतना ही भयावह है कि नशे का व्यापार अब सामान्य चोरी-छिपे किए जाने वाला धंधा नहीं रहा, बल्कि विशाल और संगठित तस्करी-तंत्र में बदल चुका है। ड्रोन के माध्यम से ड्रग तस्करी, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, नकली दवाओं का उत्पादन, कफ सिरप व अन्य औषधियों के दुरुपयोग का व्यापक कारोबार-ये सभी संकेत हैं कि नशा भारत के सामाजिक ढांचे को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। ड्रग माफिया, अपराधी गिरोह, भ्रष्ट तंत्र एवं पडोसी देश मिलकर एक ऐसी समानांतर व्यवस्था चला रहे हैं, जो कानून, नैतिकता और मानवीय जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। चंडीगढ़ में आयोजित महत्वपूर्ण सम्मेलन में कई ऐसे तथ्य सामने आए जिन्होंने सभी को हिला दिया। यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि अब नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्राथमिकता है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर सहमत दिखे कि यदि अब भी सख्त और संगठित कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि नशे का यह संकट भारत की सामाजिक संरचना, युवाशक्ति और राष्ट्रीय प्रगति को गहरी चोट पहुँचा रहा है।

इस अनियंत्रित होते भयावह संकट को रोकने के लिए सरकार, पुलिस, न्याय तंत्र, समाज और परिवार-सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। सिर्फ कानून बनाकर और कभी-कभार छापामारी करके इस समस्या का समाधान संभव नहीं। सबसे पहले कानूनों को मजबूत करने और उनके कठोर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। ड्रग तस्करी, नकली दवाइयों का निर्माण और अवैध वितरण के खिलाफ ऐसी दंडात्मक व्यवस्था होनी चाहिए कि अपराधी इसके परिणामों से भयभीत हों। मौजूदा समय में कई बार अपराधी मामूली सजा या जमानत पर छूट जाते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है और अवैध कारोबार और तेजी से फैलता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून कठोर हों और उनका पालन बिना किसी समझौते के हो। दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र है-नशामुक्ति और पुनर्वास। नशे की गिरफ्त में आए लोग सिर्फ अपराधी नहीं, बल्कि पीड़ित भी हैं। परिवार, समाज और सरकार को उन्हें समझना, सहारा देना और पुनर्वास का रास्ता उपलब्ध कराना आवश्यक है। देश में नशामुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन उनकी गुणवत्ता, सुविधाओं, चिकित्सा सहायता, काउंसलिंग और पुनर्वास कार्यक्रमों को और मजबूत करने की जरूरत है। नशे से बाहर आने वाले व्यक्ति को नये जीवन की शुरूआत के लिए सामाजिक सम्मान, परिवार का सहयोग और रोजगार के अवसर मिलना आवश्यक है; वरना वे दोबारा उसी अंधेरी राह में लौट जाते हैं।

यह समय चेतावनी का समय है। यदि आज हमने नशे की इस राष्ट्रीय महामारी को गंभीरता से नहीं लिया, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें माफ नहीं करेंगी। नशा मानवता का शत्रु है। यह युवा शक्ति को अंधेरे में धकेलता है, परिवारों को तोड़ता है, राष्ट्र की प्रगति को रोकता है। इसलिए आज एक ही संकल्प होना चाहिए कि नशे के खिलाफ इस लड़ाई को हम केवल सरकारी प्रयासों पर न छोड़ें, बल्कि इसे अपनी सामूहिक जिम्मेदारी मानें। सरकार से यही अपेक्षा है कि वह नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के खिलाफ अधिक कठोर, अधिक पारदर्शी और अधिक प्रभावी नीति बनाए तथा उसका निष्ठापूर्वक पालन सुनिश्चित करे। समाज से यही अपेक्षा है कि वह नशे को शर्म का नहीं, जागरूकता और उपचार का विषय बनाए। और युवाओं से यही निवेदन है कि वे समझें-नशा न शक्ति देता है, न सुख; यह केवल जीवन और भविष्य को छीन लेता है। अब समय आ गया है कि भारत नशे के इस संकट को रोकने के लिए एकजुट होकर निर्णायक कदम उठाए। यही राष्ट्रहित है, यही समाजहित है और यही मानवता के भविष्य की रक्षा है।

संयमित मुलायम के विवादित अखिलेश

स्वदेश कुमार

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव आजकल अपने हर बयान और प्रतिक्रिया की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं। राजनीतिक हलकों में यह बात आम हो गई है कि वे अब हर मुद्दे पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए बेचैन नजर आते हैं। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि वे किसी भी घटना या विषय को लेकर अपनी मनगढ़त कहानियां बनाने लगते हैं, जिनका असलियत से ज्यादा राजनीतिक प्रभाव होता है। उनकी बयानबाजी में दिलचस्पी तो बहुत है, लेकिन यह भी देखा जाता है कि उनके हर शब्द के पीछे उनकी राजनीति की प्रतिबद्धता साफ झलकती है।अखिलेश यादव का राजनीतिक संवाद अब अधिकतर समाज के कमजोर तबकों दलित, पिछड़ा वर्ग और मुसलमान समुदाय को सक्रिय और प्रबल करने के इरादे से भड़का देने पर केन्द्रित हो गया है। उनकी पार्टी की परंपरा और चुनावी रणनीति के अनुसार ये समूह ही उनका मुख्य वोट बैंक रहे हैं। परंतु, कुछ राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अखिलेश की इस झुकाव ने कभी-कभी सांप्रदायिक और वर्गीय तनाव को हवा दी है, जिससे सामाजिक समरसता प्रभावित होने की आशंका रहने लगी है। हाल के दिनों में समाज में यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि अखिलेश यादव को अपने पिता, मुलायम सिंह यादव से अपने राजनीतिक आचरण में कुछ बदलाव सीखना चाहिए। मुलायम सिंह यादव का व्यक्तित्व और नेतृत्व शैली देश में काफी अलग तरह की मानी जाती है। वे अधिकतर शांत, संयमित और सोच-समझकर बोलने के पक्षधर रहे हैं। उनकी राजनैतिक सफलता का एक बड़ा कारण यही माना जाता है कि वे बिना ज्यादा शोर-शराबे के, स्थिति को भांपकर अपने कदम उठाते थे।

मूलतः, मुलायम सिंह यादव की रणनीति थी कि वह विवादों में कम उतरते, विवादित सवालों को धोरे-धोरे हल करते और अपने दृष्टिकोण को बिना बहुत ज्यादा उग्रता या विरोधाभास के प्रस्तुत करते। उनके संवादों में संतुलन और सहिष्णुता की झलक साफ दिखाई देती थी। वे जनता और पार्टी के बीच संतुलित आदान-प्रदान पर भरोसा रखते थे, जिससे उनकी छवि एक अनुभवी और दूरदर्शी नेता के रूप में स्थापित हुई। इसके विपरीत, अखिलेश यादव के राजनीतिक व्यक्तित्व में आजकल तीव्रता और तेजी ज्यादा नजर आती है। वे सार्वजनिक मंचों पर और मीडिया के सामने अक्सर तीखे भाषण देते हैं, जो विवादित व्यवहार का रूप ले लेते हैं। उनका संवाद शैली अब ज्यादा आक्रामक हो गई है, जिसका उद्देश्य शायद अपनी पार्टी की धारणा को तेज और सक्रिय बनाए रखना है। लेकिन कई बार इसकी वजह से वे अपनी राजनीतिक प्रसार रणनीति में उलझन में दिखते हैं और आलोचना का सामना करते हैं।मुलायम सिंह यादव के राजनीति में संयम और समझदारी की प्रथा को देखकर यह कहना गलत न होगा कि अखिलेश यादव को अपने राजनीतिक सफर पर अधिक धैर्य और संतुलन अपनाने की जरूरत है। राजनीति केवल त्वरित प्रतिक्रिया देने का नाम नहीं है, बल्कि गहन सोच-समझकर सही रणनीति बनाकर आगे बढ़ने का भी काम है। मुलायम सिंह की तरह, जो बिना ज्यादा आवाज उठाए राजनीति में अपनी पकड़ बनाए हुए थे, अखिलेश को भी अपनी बातों में वो गहराई और स्थिरता लानी होगी जो समृद्ध राजनीतिक नेतृत्व के लिए आवश्यक है। अखिलेश यादव की राजनीतिक यात्रा में बहुत अच्छे और उत्साहजनक क्षण आए हैं, पर यह भी सच है कि वे आज की तेजी से बदलती राजनीति में अपनी छवि को लेकर बहुत संवेदनशील स्थिति में हैं। जब वे दलित, पिछड़े और मुस्लिम समुदाय को अपने भाषणों के जरिए सक्रिय करते हैं, तो इससे अपेक्षित वोट बैंक को भी मजबूत किया जाता है, परंतु इसके साथ ही सामाजिक सामंजस्य पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। इसके विपरीत, मुलायम सिंह यादव ने हमेशा बड़े पैमाने पर सामाजिक एकता पर जोर दिया और राजनीति को समरसता के माध्यम के रूप में देखा। इन दोनों राजनीतिक हस्तियों की तुलना में यह बात भी उभरकर सामने आती है कि मुलायम सिंह यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में ज्यादा दबदबा और सहूलियत से काम लिया। वे अक्सर विवादों से बचते हुए अपना काम करते रहे। उनकी भाषा में गरिमा और वजन था, जिसका उनके समर्थक और विपक्षी दोनों सम्मान करते थे। दूसरी तरफ अखिलेश यादव की भाषा ज्यादा तीव्र और भावुक है, जो कई बार राजनीतिक विरोधियों तक को लाभ पहुंचाती है। अखिलेश के कुछ समर्थक कहते हैं कि उन्हें अपनी बात और फैसले प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए जोरदार और समसामयिक बयानबाजी करनी पड़ती है। वे कहते हैं कि बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में ऐसे तेज वक्तव्य जरूरी होते हैं जो पार्टी को चुनावी मोर्चे पर सक्रिय बनाए रखेंगे। पर आलोचक इस तर्क से सहमत नहीं हैं और मानते हैं कि ये बयान तनाव और अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं, जिससे पार्टी की छवि कमजोर हो सकती है। मुलायम सिंह यादव ने सपा की बुनियाद को मजबूत कर इसे उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक स्थाई शक्ति बनाया। उन्होंने इसे संगठन के स्तर पर मजबूत किया और अपने आंतरिक मतभेदों को धीरे-धीरे सही तरीके से सुलझाया। वे चालाक और दूरदर्शी नेता थे जिन्होंने अपना राजनीतिक माहौल समझकर निर्णय लिए। वहीं, अखिलेश यादव की भूमिका अधिकतर सार्वजनिक मंचों पर सक्रियता से जुड़ी है, जो संगठनात्मक मजबूती के लिए हमेशा मुफीद नहीं रहती।

इससे यह लगता है कि अखिलेश यादव को अपने पिता से राजनीति के आदर और संयम की सीख लेनी चाहिए। यह सीख उन्हें न केवल बयानबाजी में सुधार लाने में मदद करेगी बल्कि उनकी पार्टी को भी एक मजबूत और स्थिर स्थिति में लाएगी। राजनीति में भावुकता और तेजबाजी कभी कभी खतरे की घंटी साबित होती है, जबकि संयमित और सोच-समझकर किया गया नेतृत्व पार्टी को लंबी अवधि का लाभ देता है। अखिलेश यादव को अपनी भाषा और कार्यशैली में संतुलन स्थापित करना होगा, जो न तो उनकी पार्टी के वोट बैंक को निराश करे और न ही समाज में विभाजन पैदा करे। अगर वे अपने राजनीतिक जन्मदाता मुलायम सिंह की तरह सोच-समझकर चलते हैं और अपने शब्दों को सौम्यता से चुनते हैं, तो निश्चित रूप से उनकी राजनीति में नई जान आ सकती है।अंततः यह कहा जा सकता है कि दोनों पीढ़ियों के नेताओं के बीच का ये फर्क उनके व्यक्तित्व, परिस्थिति और समय के अनुसार आया है। पर किसी भी परिस्थिति में संयम, सहिष्णुता और दूरदर्शिता वह मूल्य हैं जो राजनीति में स्थिरता और सफलता का मूल आधार होते हैं। अखिलेश यादव को चाहिए कि वे अपने पिता से इन गुणों को ग्रहण करें और पार्टी तथा समाज के लिए एक समंजस पूर्ण और सकारात्मक भूमिका निभाएं।

यूक्रेन-रूस संघर्ष का वृहद स्वरूप

संजीव ठाकुर

यूक्रेन-रूस संघर्ष अब किसी दो राष्ट्रीय टकराव तक सीमित नहीं रहा; यह एक वैश्विक सांकेतिक युद्ध बन चुका है जिसका प्रभाव ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता, भू-राजनीति और मानवीय मूल्यों पर दूरगामी होगा—24 फरवरी 2022 के बाद से हुई घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि एक क्षेत्रीय आक्रमण कैसे सम्पूर्ण वैश्विक व्यवस्था को हिला सकता है; जिस प्रकार ब्लैक सी के बंदरगाहों, ऊर्जा रूटों और कृषि नियार्तों में व्यवधान ने अनाज और तेल की वैश्विक आपूर्ति पर चोट की है, उसी तरह युद्ध ने वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाओं की नाजुकता को उजागर किया है और विकासशील देशों में महँगाई व खाद्य-असुरक्षा को तेज कर दिया है। इस युद्ध ने यह भी दिखा दिया कि आधुनिक युद्ध केवल मोर्चों पर गोली-बारूद का खेल नहीं, बल्कि आर्थिक प्रतिबंधों, वित्तीय काट-छाँट, तकनीकी प्रतिबंधों और वैकल्पिक सामरिक गठबंधनों से जुड़ा बहुआयामी संकट है; पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों और रूस के आर्थिक अलगाव ने ऊर्जा व व्यापार के नए समीकरण जन्म दिए हैं और कई देशों ने अपनी रणनीतियाँ पुनः निर्धारित करनी शुरू कर दी हैं। दूसरी ओर, रूस-चीन के करीब आने की प्रवृत्ति, कुछ वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ वैकल्पिक साझेदारी और नए बहुपक्षीय आर्थिक चक्रों का उद्भव, एक नए ध्रुवीय विश्व-आदेश की संभावना का संकेत देता है जो पारंपरिक पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती दे रहा है। यही नहीं, युद्ध ने रक्षा-औद्योगिक आधार को फिर से चुस्त किया है—रास्ते खुलते ही हथियारों, स्वचालित प्रणालियों और सूचनात्मक युद्धकला की होड़ बढ़ी; देशों ने रक्षा बजट बढ़ाए और सामरिक सहयोग को प्राथमिकता दी, जिससे वैश्विक संसाधन आवंटन और विकास-प्राथमिकताएँ बदल रही हैं। मानव संकट की गाथा और भी जघन्य है—लाखों जानें गयीं, करोड़ों लोग विस्थापित हुए; लगभग एक करोड़ यूक्रेनी नागरिकों ने शरणार्थी का जीवन अपनाया, शहरों के मलबे, बुनियादी ढाँचे का विनाश और सामाजिक टूट ने मानवता को कराहते हुए छोड़ दिया; यह मानवीय जख्म सिर्फ यूक्रेन तक सीमित नहीं रहेंगे क्योंकि ऊर्जा व खाद्य-शॉर्टेज का असर दूर देशों के लोगों की रोटी और रोजगार पर सीधे दिखाई देता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके परिणाम स्पष्ट हैं—महँगाई, निवेश-अनिश्चितता, सप्लाई-चेन रीऑर्गनाइजेशन और जोखिम-प्रिमियम का उदय, जिससे विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ और अधिक संवेदनशील बन गई हैं। इसने यह भी दिखाया कि किस तरह भू-राजनीतिक झटके वैश्विक प्रवाह—कच्चा माल, खाद्य, ऊर्जा और तकनीकी वस्तुओं—को पलट कर रख देते हैं और नये साझेदारी मॉडल, स्थानीयकरण व मित्रराष्ट्रों पर निर्भरता के महत्व को उजागर करते हैं। राजनीतिक दृष्टि से, यह युद्ध एक परीक्षण है: क्या अंतरराष्ट्रीय समुदाय कूटनीति, बहुपक्षीय संस्थाओं और नियम-आधारित व्यवस्था के जरिए शांति स्थापित कर सकता है, या शक्तियों का घर्षण अनियंत्रित होकर व्यापक संघर्ष में बदल जाएगा? कुछ शक्तियों ने टकराव की सरहद पर अपनी नीति कड़ी की, कुछ ने नए सैन्य-रणनीतिक समूहों और आर्थिक ब्लॉकों की रचना की—क्वाड जैसे ढांचे, एशिया-प्रशांत सहयोग, और नाटो-सदस्यों की मजबूती ने साफ किया कि क्षेत्रीय सुरक्षा अब स्थानीय ही नहीं बल्कि वैश्विक रणनीतियों से प्रभावित होती है। इसके बावजूद, केवल सैन्य बल या आर्थिक दबाव पर्याप्त नहीं हैं; शांति के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध भरोसे की कमी है—विश्व समुदाय का रूस पर विश्वास टूट चुका है तो कुछ देशों का भरोसा भी पश्चिम पर प्रश्नचिन्ह से घिरा दिखता है—और यही भरोसे की कमी कूटनीतिक समाधान को जटिल बनाती है। इस संकट का एक और आयाम पर्यावरणीय और दीर्घकालिक आर्थिक प्रभाव है—युद्ध ने न केवल बुनियादी संरचनाएँ नष्ट कीं बल्कि पुनर्निर्माण की भारी लागतें और ऊर्जा-परिवर्तन की नई हड़बड़ी भी बढ़ाई, जिससे जलवायु लक्ष्यों, निवेश प्राथमिकताओं और सामाजिक पुनर्निर्माण की नींव पर दीर्घकालिक दबाव पड़ेगा। इसलिए अब प्रश्न केवल यह नहीं कि कौन किसे हराएगा, बल्कि यह है कि क्या मानवता अपने कोष, कूटनीति और विवेक द्वारा उस रास्ते को चुनेगी जो पुनर्निर्माण, न्याय और स्थिरता की ओर ले जाए। विश्व-समुदाय के लिए विकल्प स्पष्ट हैं: युद्ध को तात्कालिक रूप से सीमित करने और फिर न्यायसंगत शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक चैनलों को खोलना; मानवीय सहायता, शरणार्थियों का समुचित पुनर्वास और बुनियादी सुविधाओं के पुनर्निर्माण को प्राथमिकता देना; वैश्विक खाद्य व ऊर्जा-सुरक्षा के लिए वैकल्पिक आपूर्ति-मार्गों व रणनीतिक भंडारों का निर्माण; और बहुपक्षीय संस्थाओं के माध्यम से सशक्त तटस्थ मध्यस्थता व निगरानी तंत्र स्थापित करना ताकि भविष्य में किसी भी क्षेत्रीय विवाद का ग्लोबल रूप लेने से पहले उसे नियंत्रित किया जा सके। भारत जैसे महादेशीय देशों के लिए चुनौती और अवसर दोनों हैं—इकतरित होकर मानवीय सहायता और कूटनीति के माध्यम से मध्यस्थता की भूमिका निभानी चाहिए, साथ ही अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए ऊर्जा-सुरक्षा और खाद्य-आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत विकसित करने चाहिए; दीर्घकाल में वैश्विक दक्षिण के देशों का समन्वय ही इस प्रकार के संकटों को वैश्विक स्तर पर शान्तिपूर्ण हल की दिशा में मजबूती दे सकता है। अगर हम अभी भी समय रहते सामूहिक विवेक, करुणा और न्यायसंगत कूटनीति को अपनाएँ तो यह संभव है कि हम युद्ध के विनाश से बाहर निकलकर एक अधिक समतामूलक, आत्मनिर्भर और स्थिर विश्वगठबंधन बना लें; पर यदि हम अहंकार, संकुचित स्वार्थ और शक्ति-द्वेष की राजनीति को जिंदा रखेंगे, तो यह संघर्ष न केवल राजनैतिक मानचित्र को बदल देगा बल्कि सभ्यता की उस नींव को भी हिला सकता है जिस पर हमारी आने वाली पीढ़ियाँ आश्रित हैं—अतः यह समय निर्णायक है: क्या हम युद्ध की आग को बुझाने के लिए मिलकर काम करेंगे या इतिहास की अगली पीढ़ी को इस तबाही की कीमत चुकाने के लिए छोड़ देंगे।

वैदिक विचारों की वापसी: देवव्रत का संकल्प, भारत का सनातन भविष्य

-सुरेश गांधी

काशी में बीते पचास दिनों के भीतर जो घटित हुआ, वह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय वैदिक चेतना का पुनर्जन्म था। जब 19 वर्षीय देवव्रत महेश रेखे ने शुक्ल यजुर्वेद माध्यंदिन शाखा का अखंड, एकाकी, बिना देखे, कंठस्थ दंडक-क्रम परायण सम्पन्न किया, तब काशी ने अपनी पुरातन ध्वनि को पुनः पहचाना। आयोजन समिति का दावा है कि यह दुरूह विधा लगभग 200 वर्ष से परंपरा में जीवित अवश्य थी, पर सार्वजनिक रूप में इस स्तर का परायण नाशिक के बाद पहली बार हुआ। यह केवल वैदिक साधना की विजय नहीं, बल्कि उस युवा पीढ़ी की भी घोषणा है, जो स्मृति, साधना और संस्कृति को नए शिखर पर ले जाने को तैयार है। रोज सवा तीन से चार घंटे का अखंड पाठ... मंत्रों का आरोह-अवरोह... स्वर-स्वरित की शुद्धता... और हजारों श्रोताओं से भरे परिसर में 50 दिनों तक बिना एक पल रुके एक ही साधक की एकाग्रता, यह दृश्य आज के समय में असंभव-सा प्रतीत होता है। किंतु काशी में असंभव को संभव करने की परंपरा रही है। देवव्रत रेखे उसी अनादि परंपरा के आधुनिक ह्यबाल-ऋषिह्ल बनकर उभरे हैं। देवव्रत जैसे युवा हमें यह संदेश देते हैं कि ज्ञान की यात्रा आयु से नहीं, जिज्ञासा से शुरू होती है। उन्होंने सिद्ध किया है कि वैदिक परंपरा कोई बीती हुई कहानी नहीं, बल्कि आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी ऋषि, युग में थी। भारत का भविष्य तभी स्वर्णिम होगा, जब उसके युवा आधुनिकता और परंपरा दोनों का संतुलन साधकर आगे बढ़ेंगे, और इस दिशा में देवव्रत जैसे वैदिक बाल ऋषि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनकर उभर रहे हैं। देवव्रत वेद, संस्कृति, समाज, शिक्षा और भविष्य के भारत को लेकर खुलकर बड़े ही सहजता सरलता से अपनी बात रखते हैं। परायणकर्ता केवल 19 वर्ष का एक ब्रह्मचारी है, जो बिना देखे, एकाकी, प्रतिदिन 3 से 4 घंटे मंत्रों की धारा को अविच्छिन्न रखता है। ऐसी प्रतिभा को विद्वान ह्लचमत्कारी मेधाह्ल और ह्लदिव्य स्मरणह्ल की श्रेणी में रख रहे हैं। स्तुत है सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी की देवव्रत से की इस ऐतिहासिक परायण, उनकी साधना, दंडक-क्रम की जटिलता, काशी की प्रतिक्रिया, और श्रृंगेरी मठ की भूमिका पर एक गहन सवाल - जवाब... के कुछ प्रमुख अंशः-

प्रश्नः आज के दौर में एक 19 वर्षीय युवक का वेदों की ओर लौटना कितना चुनौतीपूर्ण था?

देवव्रतः चुनौती तो हर मार्ग में होती है, लेकिन वेद का मार्ग कठिन नहीं, ह्यसत्यह्ल है। समाज बदल रहा है, जीवन की गति तेज है, पर मनुष्य का अंतरकरण आज भी उतना ही शुद्ध और जिज्ञासु है जितना हमारे ऋषियों के समय था। हाँ, यह जरूर है कि वैदिक अध्ययन को लेकर लोग अभी भी यह मानते हैं कि यह सिर्फ वृद्ध साधकों का विषय है। लेकिन मैं मानता हूँ कि वेद ज्ञान का स्रोत्र है, आयु का बंधन नहीं। मेरे लिए यह यात्रा आनंद की रही, संघर्ष की नहीं।

प्रश्नः आपकी वैदिक शिक्षा की शुरूआत कैसे हुई? प्रेरणा कहां से मिली?

देवव्रतः हमारे घर - परिवार में आध्यात्मिक वातावरण था। दादा - दादी और माता - पिता प्रार्थना, जप और सनातन परंपराओं का पालन करते थे। लेकिन वेदों से मेरा वास्तविक परिचय तब हुआ जब मैंने पहली बार ऋग्वेद के मंत्रों को समझना शुरू किया। वेद केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, जीवन विज्ञान हैं। जब यह समझ आया कि हमारे ऋषियों ने हजारों साल पहले ब्रह्मांड, ऊर्जा, समाज, शासन, चिकित्सा, शिक्षा, सभी क्षेत्रों पर आश्चर्यजनक शोध किया था, तभी लगा कि यही सही दिशा है।

प्रश्नः आधुनिक युवाओं को वेद पढ़ना कठिन क्यों लगता है?

देवव्रतः कठिन इसलिए नहीं कि वेद कठिन हैं, बल्कि इसलिए कि हम उन्हें कठिन समझते हैं। अगर कोई वेद को संस्कृत भाषा की कठिनाइयों, कर्मकांड या पौराणिक भ्रम से जोड़ देता है, तो उससे युवाओं में दूरी पैदा होती है। वेदों को आधुनिक भाषा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सरल व्याख्या के साथ पढ़ाया जाए तो वे जीवंत हो उठते हैं।

प्रश्नः क्या आप मानते हैं कि वेद आज भी समकालीन विज्ञान के समकक्ष हैं?

देवव्रतः सिर्फ समकक्ष नहीं, कई क्षेत्रों में तो वे उससे कहीं आगे हैं। वेद ब्रह्मांड विज्ञान, ध्वनि विज्ञान, पर्यावरण, चिकित्सा, योग, गणित, समाज - व्यवस्था और मानव - मनोविज्ञान को ऐसे स्पष्ट करते हैं, जिन्हें आज विज्ञान नए - नए प्रयोगों के बाद स्वीकार कर रहा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि वेद वैज्ञानिक अनुसंधान की ह्लअनंत प्रयोगशालाह्ल हैं।

प्रश्नः दंडक-क्रम आखिर है क्या? इसे इतना मुश्किल क्यों माना जाता है?

देवव्रतः दंडक-क्रम वैदिक परंपरा की एक विशिष्ट विकृति (पाठ-विधा) है। चारों वेदों में, पद-पाठ, क्रम-पाठ, जटा, घना, रथ, दंडक, महा-घना आदि मिलकर आठ प्रमुख विकृतियां होती हैं।

दंडक-क्रम की विशेषताएं:

1. मंत्र के 1 से 100 तक पद आरोही क्रम में बोले जाते हैं।
2. फिर वही 100 से 1 तक अवरोही क्रम में आते हैं।
3. हर संयोजन नए पद-संयोजन बनाता है।
4. संधि-विच्छेद त्रुटिरहित होना चाहिए।
5. मंत्र का स्वर शास्त्रीय होना चाहिएः उदात्त, अनुदात्त, स्वरित
6. कई मंत्रों में संयोजन संख्या सैकड़ों में पहुंच जाती है।

वेद विशेषज्ञ कहते हैं, दंडक-क्रम को बोलना नहीं, जीना पड़ता है। यह कठिनाई ही इसे दुनिया की सबसे दुर्लभ वैदिक विधा बनाती है।

प्रश्नः वैदिक ग्रंथों के पुनर्लेखन पर आपका विचार क्या है? क्या उसमें बदलाव उचित है?

देवव्रतः वेद ह्यलिखेह्ल नहीं गए, वे ह्यश्रुतह्ल हैं, एक अनंत ध्वनि, जो ऋषियों ने सुनी। इसलिए वे पूर्ण हैं। पुनर्लेखन का अर्थ सामग्री बदलना नहीं, व्याख्या को आधुनिक पाठकों के अनुकूल बनाना है। हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि वेदों की शाश्वत भावना को आज की भाषा, शोध और वैज्ञानिक उदाहरणों से जोड़कर सरल व सुगम बनाया जाए।

प्रश्नः आपकी दृष्टि में भारत का भविष्य वैदिक ज्ञान से कैसे जुड़ सकता है?

देवव्रतः भारत ज्ञान - भूमि है। जब भारत अपनी जड़ों से जुड़ता है, तभी वह विश्वह्गुरु बनता है। वेद भारत की ह्लआध्यात्मिक रीढ़ह्ल हैं, जितना हम इसे मजबूत करेंगे, उतना ही समाज नैतिक, मजबूत और वैज्ञानिक बनेगा। मुझे विश्वास है कि आने वाले 20 वर्षों में भारत वैदिक ज्ञान, आधारित शिक्षा, योग - ध्यान, औषधि विज्ञान और पर्यावरण - अनुकूल तकनीकों का सबसे बड़ा केंद्र बनेगा।

प्रश्नः वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में कौन सी मुख्य कमियां आप देखते हैं?

देवव्रतः सबसे बड़ी कमी यह है कि हमारी शिक्षा ह्लनौकरीह्ल पैदा करती है, ह्लचरित्रह्ल नहीं। हम ज्ञान की जगह डिग्री को प्राथमिकता देते हैं। वेदिक शिक्षा का उद्देश्य मानव को समग्र बनाना है, बुद्धि, आत्मा, मन और शरीर सबका समन्वय। अगर हम आधुनिक शिक्षा में नीतिशास्त्र, ध्यान, योग, और वेदों के मूल सिद्धांत जोड़ दें, तो चरित्रवान और सक्षम नागरिक स्वतः तैयार होंगे।

प्रश्नः वैदिक जीवनशैली अपनाने से आज के युवाओं को क्या लाभ हो सकते हैं?

देवव्रतः यह केवल आध्यात्मिक लाभ नहीं, व्यावहारिक लाभ भी देता है, मानसिक शांति, तनाव मुक्ति, ध्यान की क्षमता में वृद्धि, अनुशासन, सकारात्मक सोच, शारीरिक संतुलन, प्रकृति के साथ सामंजस्य. वेद व्यक्ति को संपूर्ण मनुष्य बनाते हैं और आज दुनिया को ऐसे ही मनुष्यों की आवश्यकता है।

प्रश्नः आप अपने भविष्य को कैसे देखते हैं? क्या कोई विशेष लक्ष्य है?

देवव्रतः मेरा लक्ष्य बहुत सरल है, वेदों का ज्ञान जन - जन तक पहुँचे। मैं शोध, व्याख्यान, लेखन और आधुनिक माध्यमों के जरिए वैदिक ज्ञान को सरल भाषा में प्रस्तुत करना चाहता हूँ। अगर वेद किसी एक व्यक्ति के भी जीवन में प्रकाश भर दें, तो मेरा प्रयास सफल होगा।

प्रश्नः युवा पीढ़ी के लिए आपका संदेश?

देवव्रतः युवाओं से मेरा केवल एक निवेदन है, अपनी जड़ों को मत भूलिए।

आधुनिक बनिए, पर अपनी आत्मा से मत कटिए। तकनीक अपनाइए, पर परंपरा को मत त्यागिए। ज्ञान अर्जित कीजिए, पर चरित्र को प्राथमिकता दीजिए। भारत का भविष्य किसी सरकार या संस्था पर नहीं, हम युवाओं पर निर्भर है।

प्रश्नः दंडक-क्रम परायण इतना ऐतिहासिक क्यों माना जा रहा है?

देवव्रतः दंडक-क्रम स्वयं में वैदिक वाङ्मय की सबसे जटिल, कठिन और विलुप्तप्राय विधाओं में से एक है। सामान्य क्रमपाठ की तुलना में दंडक-क्रम में एक मंत्र को पदों में विभाजित कर, उसे आरोही और अवरोही दोनों क्रम में,हैंड्रेड संयोजनों में, बिना लिखित सामग्री के, कंठस्थ स्मरण के साथ बोलना होता है। दंडक-क्रम में: स्मरणशक्ति चमत्कारी स्तर की चाहिए। स्वर-स्वरित, अनुदात्त-उदात्त की त्रुटिरहित शुद्धता अनिवार्य है। एक पद गलत बोलने पर पूरा मंत्र पुनः आरंभ से बोलना होता है।

प्रश्नः यह परायण कितना कठिन था? क्या सामान्य वैदिक विद्यार्थी इसे कर सकते हैं?

देवव्रतः सामान्य वैदिक विद्यार्थी पद-पाठ, क्रम-पाठ तक पहुंचते हैं। जटा-घन जैसे पाठ भी कठिन माने जाते हैं। लेकिन दंडक-क्रम, न पद-पाठ है, न जटा-पाठ, न घन-पाठ। यह उन सबका सम्मिलित, उससे कई गुना अधिक जटिल स्वरूप है। एक मंत्र, उदाहरण के लिए नमस्ते रुद्र दंडक-क्रम में: 1-2-3-4-...100 और फिर 100-99 - 98 .... 1. हर चरण में संधि-विच्छेद, स्वर-शुद्धता, उदात्त-अनुदात्त का पालन। एक भी त्रुटि संपूर्ण प्रवाह को बिगाड़ देती है। भारत के अधिकांश वेद विद्यालय भी इस कठिनाई के कारण दंडक-क्रम को अपने पाठ्यक्रम से बाहर कर चुके हैं। उनका मानना है कि ह्लसाधारण बुद्धि दंडक-क्रम में सफल नहीं हो सकती, यह दिव्य मेधा का विषय है ह्ल इसी कारण देवव्रत का परायण वैदिक इतिहास में विशिष्ट स्थान प्राप्त कर चुका है।

प्रश्न 3: देवव्रत रेखे कौन हैं? इतनी स्मरणशक्ति कहां से आती है?

देवव्रतः वो ग्रामीण महाराष्ट्र के साधारण परिवार से हैं। लेकिन परंपरा साधारण नहीं, उनके पिता एवं गुरु महेश चंद्रकांत रेखे स्वयं वैदिक साधना के गहन अनुयायी हैं।

देवव्रत की दिनचर्या

सुबह ब्रह्ममुहूर्त में उठना, पंचगव्य सेवन, स्वाध्याय, मंत्र-सूक्ष्म अभ्यास, संयमित भोजन, एकांत साधना, निदिध्यासन उनके पिता बताते हैं एक बार देवव्रत ने कोई मंत्र सुन लिया, तो वह उसे कभी भूलते नहीं। श्रृंगेरी मठ के विद्वानों ने भी उनकी स्मरणशक्ति को ह्लअलौकिकह्ल और ह्लअद्वितीयह्ल कहा है। उनकी साधना में आधुनिक विचलन, जैसे मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, बाहरी संपर्क एकदम शून्य है। उनका पूरा समय वेदमय है।

प्रश्नः काशी में यह आयोजन पहली बार क्यों माना जा रहा है?

द्रेवव्रतः काशी सदियों से: वेद, शास्त्र, दर्शन, पुराण, तंत्र, योग, सबका केन्द्र रही है। लेकिन काशी में दंडक-क्रम का ऐसा अखंड, एकाकी, कंठस्थ परायण पूर्व में नहीं हुआ। विद्वान इसका प्रमाण कई ग्रंथों और ऐतिहासिक चचाओं में खोजते हैं, पर इस रूप में पहली बार संपन्न होने पर सहमति व्यक्त करते हैं। कई शास्त्री तो कहते हैं, काशी के इतिहास में यह वह क्षण है, जब शहर ने स्वयं अपनी जड़ें फिर से पहचानी हैं।

फरहान आजमी को कांग्रेस ने दी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी बयान के अनुसार मुंबई के तेज तर्रार और युवाओं में लोकप्रिय फरहान आजमी को मुंबई कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। समझा जाता है कि अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत फरहान आजमी को यह बड़ी जिम्मेदारी मुंबई महानगरपालिका चुनाव को देखते हुए दी गई है। श्री आजमी की मुस्लिम समाज में अच्छी पकड़ और लोकप्रियता को देखते हुए माना जाता है कि वह अल्पसंख्यक मतों को कांग्रेस के पक्ष में करने में पूरी तरह से कामयाब रहेंगे। फरहान आजमी ने कहा कि वह खुद को कांग्रेस का एक सच्चा सिपाही और कार्यकर्ता मानते हैं। पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, वह पूरी मेहनत लगन और समर्पित भावना के साथ उसका निर्वाह करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना के साथ सभी समाज के लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ती है। यही कारण है कि मुस्लिम समाज पूरी तरह से कांग्रेस के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि मुंबई महानगरपालिका चुनाव में कांग्रेस सबसे अधिक वार्डों में विजई होगी और अगला महापौर भी हमारा होगा।

बोईसर में श्रद्धापूर्वक मनाई गई क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिराव फुले की पुण्यतिथि

पालघर(उत्तरशक्ति)। क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिराव फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार 28 नवम्बर की संध्या को पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजादनगर स्थित शिवमंदिर परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए महान समाज सुधारक महात्मा फुले को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत महात्मा ज्योतिराव फुले के छायाचित्र पर पुष्पहार अर्पित कर की गई। इस दौरान उपस्थित समाजसेवियों एवं नागरिकों ने उनके विचारों व कार्यों को स्मरण करते हुए समाजहित में लगातार कार्यरत रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में मोहन रामचंद्र सिनलकर, आनंद ज्ञानदेव परंडवाल, पुंडलिक महाजन, अशोक आशाराम माली, सौ. लता ताई परंडवाल तथा अन्य सम्मानीय नागरिक एवं युवा मित्र मंडली उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन रामचंद्र सिनलकर ने महात्मा फुले के बचपन से लेकर उनके अंतिम समय तक किये गये समाज सुधारक कार्यों का विस्तृत उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि फुले दंपति ने शिक्षा, स्त्री-स्वाधिकार, अंधश्रद्धा निर्मूलन व शोषित वर्ग के उत्थान के लिए अद्वितीय कार्य कर भारतीय समाज को नई दिशा दी।आभार प्रदर्शन आनंद परंडवाल द्वारा किया गया। अंत में अल्पोहार वितरण के साथ कार्यक्रम की सफलतापूर्वक समाप्ति की घोषणा की गई। कार्यक्रम का उत्कृष्ट सूत्रसंचालन अशोक आशाराम माली ने किया।

विरार पूर्व में भाजपा पदाधिकारी ने जन्मदिन पर साड़ी भेट किया

विरार (उत्तरशक्ति)। विरार पूर्व कटकरी पाड़ा में वसई विरार जिला आदिवासी मोर्चा के ज़िला सदस्य संदीप दुमाडे, समाज सेविका श्रीमती श्वेताली संदीप दुमाडे के जन्मदिन के मौके पर कातकरी पाड़ा विभाग में हल्दीकुंकू समारंभ और साड़ीया भेट दी गई। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के युवा समाजसेवक साईनाथ गवळी, व्यापार अघाड़ी ज़िला सह-संयोजक आकाश घरत, व्यापार अघाड़ी ज़िला सदस्य विश्वंभर मडव, युवा समाज सेविका वंश जाधव, अमित चव्हाण, महिला समाज सेविका संजना ताई जाधव, विरार पूर्व उत्तर मंडल की सरचिटणीस सुनीता ताई पाटिल, मंडल उपाध्यक्ष दीपाली सावंत, समाज सेविका ज्योत्सना ताई जाधव, आदिवासी मोर्चा जिल्हा संयोजक कल्पना करपटे, विनय पाटिल, धना पाटिल, निलेश घरत, ऋतिक चोधरी के साथ-साथ मंडल और ज़िले के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

नारपोली पुलिस ठाणे द्वारा विजिट माय पोलिस स्टेशन कार्यक्रम संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ठाणे पुलिस आयुक्तालय, ग्लोबल केयर फाउंडेशन, एम एस एल एस ए ठाणे, डी एल एस ए और भारत रत्न डा.बाबासाहेब अंबेडकर ला कालेज ने मिलकर विजिट माई पोलिस स्टेशन नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया जिसके अनुसंधान से नारपोली पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कादबाने के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम पुलिस स्टेशन के प्रांगण में किया गया।

स्थानीय आवश्यकताओं को पहचानकर गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य करें : विभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी

जव्हार-मोखाडा क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण

पालघर(उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)। विभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने शुक्रवार 28 नवंबर 2025 को जव्हार व मोखाडा तहसील का विस्तृत दौरा कर विभिन्न विभागों की कार्य प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त सीईओ रविंद्र शिंदे, प्रकल्प अधिकारी अपूर्वा बासुर, उपायुक्त घोरपड, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उपजिलाधिकारी भाऊसाहेब पटांगडे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (मनरेगा) अतुल पारसकर, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दौरे की शुरूआत जव्हार तहसील के रायतले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण से हुई। स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा कर आयुक्त ने संतोष व्यक्त किया तथा आवश्यक सुधार तुरंत करने के निर्देश दिए। तत्पश्चात रायतले की कातकरी बस्ती का दौरा कर वहां की मूलभूत सेवाओं और जारी कार्यों की जानकारी ली। महिलाओं द्वारा संचालित आदिम ईंट भट्टी की सराहना भी की। आदिवासी विकास परियोजना द्वारा निर्मित बहुउद्देश्यीय सभागृह में ग्रामवासियों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद के दौरान उन्होंने ह्यलखपती दीदी योजनाह्न, मोगरा खेती से होने वाली आय, बाजार विस्तार, उत्पाद गुणवत्ता तथा ग्रामीण उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने संबंधी विषयों पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने पेयजल योजना, सड़क, आवास एवं रोजगार संबंधित प्राथमिक कार्यों को त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसके बाद शिरपा माल पहुंचकर छत्रपति शिवाजी महाराज के पावन पदस्पर्श से जुड़ी भूमि को नमन किया। कासटवाडी में बांस रोपण परियोजना का निरीक्षण कर उत्पादन, प्रबंधन एवं विपणन अवसरों की जानकारी ली। इसी दौरान वन विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए साँप पकड़ने के किट आयुक्त सूर्यवंशी के हाथों सरपंचों को वितरित किए गए।

तहसील कार्यालय में जव्हार तहसील के सभी विभागों की समीक्षा बैठक में शिक्षा विभाग की प्रस्तुति में छात्रवृत्ति परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षकों के प्रशिक्षण, हस्ताक्षर सुधार उपाय, गणित को सरल बनाने हेतु कार्यशालाएं, एवं विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता संबंधी जानकारी प्रस्तुत की गई। कुपोषण, एनीमिया, बाल विवाह, अल्पवय मातृत्व नियंत्रण, मनरेगा के माध्यम से रोजगार स्थिति, अपूर्ण घरकुले, संपर्कविहीन पाडे, कृषि उत्पादों के बाजार उपलब्धता आदि मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

मोखाडा तहसील कार्यालय में भी विकास कार्यों की समग्र समीक्षा की गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूति सेवाओं, पेयजल योजना, टैंकर उपलब्धता तथा स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन पर मार्गदर्शन दिया गया। शिक्षा विभाग की प्रस्तुति में निपुण अभियान की प्रगति, खेल प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं का आयोजन तथा खिलाड़ियों के चयन पद्धति पर चर्चा हुई। खेल प्रतिभा निर्माण पर बोलते हुए आयुक्त सूर्यवंशी ने कहा कि बचपन में ही व्यक्तित्व और कौशल की नींव रखी जाती है। विद्यालय में पहचान कर सही दिशा एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उचित पोषण मिले तो ग्रामीण क्षेत्रों से भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं।

स्वामी विवेकानंद इंटरनेशॅनल स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन

बोरीवली, मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्वामी विवेकानंद इंटरनेशॅनल स्कूल, गोराई, बोरीवली के ट्रस्टी अंबुज झुनझुनवाला के मार्गदर्शन में रक्तदान शिविर का विशाल पैमाने पर आयोजन स्कूल परिसर में किया गया। इस शिविर का उद्घाटन उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विधायक संजय उपाध्याय की उपस्थिति में रिबन काटकर किया। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए भविष्य में भी समय-समय पर रक्तदान करते रहने के लिए प्रेरित किया ताकि जरूरतमंद का जीवन बचाया जा सके। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय , संजय गोयनका , पूर्व नगरसेवक शिवा शेट्टी तथा श्रीमती वर्मा सहित स्कूल के ट्रस्टीगण व स्टॉफ के अन्य लोग उपस्थित रहे।

चलो कार्यालय देखें उपक्रम को मिल रहा उत्साहपूर्ण प्रतिसाद

जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने किया निरीक्षण, विद्यार्थियों से की सीधी बातचीत

पालघर (उत्तरशक्ति)। एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प, जव्हार के अंतर्गत संचालित सभी सरकारी आश्रम विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए शुरू किए गए अभिनव उपक्रम चलो कार्यालय देखें को विद्यार्थियों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद प्राप्त हो रहा है। इस उपक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रशासनिक कार्यप्रणाली से प्रत्यक्ष तौर पर परिचित कराना और शासन की वास्तविक दुनिया को करीब से समझने का अवसर प्रदान करना है।

उपक्रम के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय के लिए अलग-अलग तिथियां निर्धारित की गई हैं। निर्धारित दिवस पर विद्यार्थी प्रकल्प कार्यालय पहुँचकर विभिन्न विभागों का दौरा करते हैं, जहाँ उन्हें फाइल प्रबंधन, रिकॉर्ड संधारण, शासन निर्णयों का क्रियान्वयन तथा सरकारी कार्यालयों के दैनिक कार्य से अवगत कराया जाता है। इस अवसर पर छात्र अपने विद्यालयों से जुड़ी समस्याएँ, सुविधाओं की कमी एवं सुधार संबंधित सुझाव सीधे अधिकारियों के समक्ष रखते हैं। इससे प्रशासन को जमीनी स्तर की स्थितियों का स्पष्ट अंदाजा होता है एवं त्वरित समाधान की दिशा में कदम उठाना आसान बनता है। इसी क्रम में जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने भी उपक्रम का निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों से संवाद साधा। उन्होंने छात्रों को प्रशासन और शासन प्रणाली की बारीकियाँ बताईं तथा उज्ज्वल भविष्य का मार्ग चुनने के लिए प्रेरित किया। यह दौरा केवल प्रकल्प कार्यालय तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को पुलिस स्टेशन तथा अन्य महत्वपूर्ण शासकीय कार्यालयों का भी भ्रमण कराया जा रहा है ताकि वे शासन की विभिन्न यंत्रणाओं का कार्यक्षेत्र, जिम्मेदारियाँ और तंत्र को प्रत्यक्ष रूप से देख सकें। इससे उनकी समझ और दृष्टि अधिक व्यापक हो रही है। जव्हार प्रकल्प अधिकारी एवं सहायक जिलाधिकारी डॉ. अपूर्वा बसुर ने बताया कि यह उपक्रम विद्यार्थियों को शासन व्यवस्था की गहन व वास्तविक समझ प्रदान करता है। भविष्य में उनके करियर निर्माण व व्यक्तित्व विकास के लिए यह अनुभव अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने वाली यह पहल शिक्षा क्षेत्र में एक प्रेरणादायी और सकारात्मक प्रयोग के रूप में सराही जा रही है।

रवींद्र चव्हाण और डॉ. हेमंत सांवरा की उपस्थिति में कई कार्यकर्ताओ का पार्टी में प्रवेश

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वाडा म्युनिसिपल कार्उंसिल चुनाव की तैयारियों के बीच वाडा के भाजपा पब्लिक रिलेशन ऑफिस में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सांवरा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान चुनाव जीतने की मजबूत रणनीति, संगठन को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाने के उपाय तथा स्थानीय कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम का सबसे खास पहलू रहाकी कई कार्यकर्ताओं का अचानक भाजपा में प्रवेश किया। जिससे बैठक में जबरदस्त उत्साह का माहौल दिखाई दिया।

नेताओं ने वाडा म्युनिसिपल कार्उंसिल में आने वाले समय में विकास, पारदर्शी प्रशासन और बेहतर शासन को प्राथमिकता देने का संकल्प व्यक्त किया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी चुनाव में मजबूत प्रदर्शन सुनिश्चित करने का विश्वास जताया। यह बैठक वाडा क्षेत्र में भाजपा के बढ़ते जनसमर्थन और संगठनात्मक मजबूती का संकेत मानी जा रही है।

अर्नाला में सड़क विकास कार्यों का शिलान्यास, विधायक स्नेहा दुबे पंडित की मौजूदगी में कार्यक्रम संपन्न

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई विधानसभा क्षेत्र के अनार्ला पद्रिवाड़ी और अनार्ला ज्योतिपाड़ा इलाकों में दो महत्वपूर्ण सड़क विकास परियोजनाओं का शिलान्यास विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों की मौजूदगी में किया। इन विकास कार्यों में अर्नाला पद्रिवाड़ी से बीच तक की सड़क को मजबूत करना और डामरीकरण, अर्नाला ज्योतिपाड़ा सड़क का मजबूतीकरण व डामरीकरण शामिल है। इन दोनों परियोजनाओं के पूर्ण होने से स्थानीय निवासियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलने की उम्मीद है। शिलान्यास कार्यक्रम में ईस्ट डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट महेंद्र पाटिल, महिला मोर्चा डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट श्रीमती ज्योत्सना मेहर, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी कल्पेश नाइक, वसई वेस्ट मंडल प्रेसिडेंट आशीष जोशी, इसके साथ ही चंद्रकांत वाझे, सुधीर मेहर, श्रीमती आशा चव्हाण, श्रीमती हेमलता बाल्शी, श्रीमती सविता ठाकुर, भूपेश राउत, युग वर्तक, श्रीमती श्रेयसी पेठे, मयूर नाइक, कपिल म्हात्रे, संदीप पाटिल, भरत भोईर, विजय भोईर, संतोष मांडवी, देवदत्त मेहर, अजय वैती, विजय पाटिल, श्रीमती विनर सुर्वे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, अधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोगों ने उम्मीद जताई कि ये सड़क विकास कार्य क्षेत्र के यातायात को सुगम बनाएंगे और अनार्ला के पर्यटन तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देंगे। अगर आप चाहें तो मैं इसे और अधिक पेशेवर, संक्षिप्त या अखबार की हेडलाइन स्टाइल में भी तैयार कर सकता हूँ।

नशे से मुक्ति पर पालकों का जागरूकता सत्र आयोजित

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व स्थित होली होराइजन स्कूल में नशे से मुक्ति और जागरूकता को लेकर एक विशेष अभिभावक सभा का आयोजन किया गया। इस सत्र में पालकों को नशे के विभिन्न दुष्परिणामों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा नशे से बचाव के उपाय बताए गए।

मुख्य अध्यापक ने बताया कि जो अभिभावक स्वयं भी नशे की आदतों से जूझ रहे हैं, उन्हें इस बुरी लत से छुटकारा पाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तंबाकू सेवन को रोकने की पहल के तहत स्कूल परिसर के साथ-साथ छात्रों के परिवारों को सुरक्षित रखने के सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान कई अभिभावकों ने अपने घरों में चल रही नशे की समस्याओं को साझा किया, जिनके समाधान के लिए विशेषज्ञों ने उपयुक्त मार्गदर्शन प्रदान किया। सत्र में सैकड़ों की संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

प्रिंसिपल डॉ. रमाकांत क्षितिज ने कहा कि, कमजोर आत्मबल ही व्यक्ति को नशे की ओर धकेलता है। नशे के आदी व्यक्ति को मरीज की तरह समझकर उससे सहानुभूति के साथ व्यवहार करना चाहिए। प्रयास होना चाहिए कि उसका आत्मबल लौट आए और वह स्वयं नशा छोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाए। उन्होंने आगे कहा कि यदि नशेड़ी व्यक्ति को सही वातावरण और समर्थन मिले, तो नशामुक्ति संभव है, और इससे अन्य लोगों को भी नशे से बचाया जा सकता है। सत्र के अंत में उपस्थित अभिभावकों ने स्कूल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की चर्चा पूरे स्कूल और आसपास के क्षेत्र में देखी जा रही है।

मुंबई महानगर पालिका ने कपिल पाटिल के निवेदन पर काल्हेर गांव के लिए 2.5 एम एल टी अतिरिक्त पानी किया मंजूर

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी-ठाणे सीमा पर तेजी से शहरीकरण हो रहे गांव काल्हेर की आबादी बढ़ने से ग्राम पंचायत के लिए पानी की आपूर्ति कम पड़ने से भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रीधर पाटिल ने पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल के जरिए अतिरिक्त पानी की सप्लाई को मंजूरी देने के लिए जो प्रयास किया था वह कामयाब रहा है और श्रीधर पाटिल ने एक प्रेस परिषद के जरिए बताया है कि मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने काल्हेर ग्राम पंचायत के लिए 2.5 एम एल टी अतिरिक्त पानी की सप्लाई को मंजूरी दे दी है। बतादें कि काल्हेर गांव ठाणे शहर से एकदम करीब होने और ठाणे के मुकाबले सस्ते घर मिलने की वजह से पिछले कुछ सालों में इस इलाके में बड़े-बड़े रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स बने हैं जिससे इस गांव की आबादी बढ़ी है जिसकी वजह से पहले दी जा रही पानी की सप्लाई कम पड़ रही थी। श्रीधर पाटिल ने पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल को एक रिप्रेजेंटेशन के जरिए पानी की सप्लाई बढ़ाने की रिक्वेस्ट किया था और कपिल पाटिल ने तुरंत मुंबई म्युनिसिपल कमिश्नर को पत्र लिखकर काल्हेर गांव की बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए जलजीवन मिशन के तहत नल से पानी सप्लाई करने की स्कीम लागू करने के लिए नया नल कनेक्शन देने की मांग की। उसके बाद श्रीधर पाटिल की नेतृत्व में सरपंच अश्लेषा पंकज पाटिल, उपसरपंच भरत पाटिल, ग्राम पंचायत सदस्य मुंबई में मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर से मिले और अपनी परेशानी बताई। उसके बाद शिष्टमंडल ने वर्ली में वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट के हाइड्रोलिक इंजीनियर पुरुषोत्तम मालोदे और कापूरबावड़ी में चीफ इंजीनियर जयवंत खराडे से मिलकर हालात बताए। उसके बाद पालिका ने अपर वैतरणा वॉटर चैनल से काल्हेर ग्राम पंचायत को पानी सप्लाई जोड़ने का प्रपोजल मंजूर कर लिया है। इस नए कनेक्शन से काल्हेर गांव को एक्स्ट्रा 2.5 एम एल टी पानी की मंजूरी मिल गई है, जिससे इस गांव के लोगों की पानी की समस्या खत्म हो जाएगी और लोगों को भरपूर पानी मिलेगा। इसके लिए श्रीधर पाटिल ने गांववालों की तरफ से मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर, एडिशनल कमिश्नर, वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल का शुक्रिया अदा किया है।

विज़िट माय पुलिस स्टेशन उपक्रम को उत्साहपूर्ण प्रतिसाद

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली शहर में नागरिक और पुलिस प्रशासन के बीच संवाद को अधिक मजबूत करने तथा उनके मन में पुलिस प्रशासन के प्रति मौजूद नकारात्मक छवि को दूर करने के उद्देश्य से आज महात्मा फुले पुलिस स्टेशन और डोंबीवली पुलिस स्टेशन दोनो में आयोजित ह्यविज़िट माय पुलिस स्टेशनह्न उपक्रम को उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला। अनेक जनप्रतिनिधि, सामान्य नागरिक, स्कूल के विद्यार्थी तथा महिलाओं ने इस उपक्रम में बड़ी संख्या में भाग लिया। इस उपक्रम का आयोजन महाराष्ट्र राज्य विधि सेवा प्राधिकरण, ठाणे जिला प्राधिकरण, ठाणे पुलिस आयुक्तालय, ग्लोबल केयर फाउंडेशन और नेशनल सर्विस स्कीम के संयुक्त विद्यमान में किया गया था। पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे की संकल्पना के अंतर्गत ठाणे शहर के सभी पुलिस स्टेशनों में यह उपक्रम आयोजित किया गया।

नागरिकों में पुलिस के प्रति अनावश्यक भय दूर करना, पुलिस की कार्यपद्धति समझाना तथा विभिन्न कानूनी जानकारियों के प्रति जागरूकता निर्माण करना, इन उद्देश्यों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के नागरिक, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, प्रतिष्ठित नागरिक तथा महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति देखी गई। सभी ने महात्मा फुले पुलिस स्टेशन और डोंबिवली पुलिस स्टेशन दोनो के विभिन्न विभागों का दौरा कर उनकी कार्यप्रणाली संबंधित अधिकारियों से समझी। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को पुलिस स्टेशन की वर्तमान स्थिति, विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली, शिकायत दर्ज प्रक्रिया, महत्वपूर्ण कानून, नागरिक अधिकार, साइबर अपराध प्रतिबंध, महिला सुरक्षा, यातायात नियम आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

एनसीसी युवाओं में समर्पण व नेतृत्व का करता है विकासः कुलपति

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एनसीसी स्थापना दिवस पर रक्तदान, बाइक रैली और कबड्डी प्रतियोगिता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का 78वां स्थापना दिवस उत्साह और ऊर्जा के साथ मनाया गया। 98 यूपी बटालियन एनसीसी की विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई द्वारा रक्तदान शिविर, बाइक रैली और कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि एनसीसी से युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित होती है। उन्होंने रक्तदान करने वाले कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार करता है। सूबेदार मेजर कृष्णपाल सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कैडेट्स को 'एकता और अनुशासन' के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम संयोजक एनसीसी प्रभारी डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि एनसीसी युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का मजबूत आधार है, जो उनमें नेतृत्व, राष्ट्रभक्ति और सेवा की भावना को विकसित करता है। रक्तदान शिविर में 25 कैडेट्स ने रक्तदान किया। शिक्षकों में डॉ. अमित मिश्रा और डॉ. आलोक गुप्ता ने भी रक्तदान में भाग लेकर समाज सेवा की मिसाल पेश की।

इसके बाद कैडेट्स की संदेश यात्रा (बाइक रैली) को सूबेदार मेजर कृष्णपाल सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का उद्देश्य रक्तदानझमहादान और सामाजिक जागरूकता का संदेश लोगों तक पहुँचाना था। आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में गर्ल्स कैडेट्स में गोल्डी यादव तथा बॉयज कैडेट्स में अनुराग सिंह की टीम विजेता रही। निर्णायक की भूमिका रवि तिवारी और आशुतोष तिवारी ने निभाई। रक्तदान शिविर में जिला चिकित्सालय की टीम में डॉ. अर्पित प्रताप सिंह, अरुण कुमार सिंह, अंकित राय, शालिनी मौर्या, अजय कुमार, विवेक रंजन, अरविन्द यादव शामिल रहे' कार्यक्रम में परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, डॉ. पुनीत सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. चंदन सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी कैडेट अदिति मिश्रा ने किया। अतिथियों का स्वागत आशुतोष तिवारी और अंजली सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर किया। धन्यवाद ज्ञापन सहायक कुलसचिव (एनसीसी) श्रीमती सरला देवी ने किया।

मूक नाटक बिटिया की खुशी का शानदार प्रशिक्षण व मंचन

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। माइम प्रदर्शन एक अद्वितीय कला है जिसमें अभिनेता बिना बोले, केवल अपने चेहरे के भावों, शारीरिक हाव-भाव और मुद्राओं के माध्यम से दर्शकों को अपनी भावनाओं और कहानी को व्यक्त करता है। अभिनव नाट्य संस्था के माईम प्रशिक्षक सर्वेश प्रजापति ने अपने

सहायक आदित्य सिंह के साथ सरस्वती विद्या निकेतन, कटघर के लगभग 20 बच्चो के साथ मिलकर माईम नाटक बिटिया की खुशी विद्यालय परिसर में 15 दिवसीय कार्यशाला प्रशिक्षण के बाद 29 नवम्बर को सफल मंचन किया। इस अवसर पर विद्यालय के अनेकानेक छात्र छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों ने मूक नाट्य प्रदर्शन का भरपूर आनन्द लिया जो हर सीन के समापन पर उनके करतल ध्वनि से प्रमाणित हो रहा था। संस्था के मीडिया अधिकारी प्रसिद्ध अकादमी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि मूक अभिनय भारतीय नाट्य परंपरा का अभिन्न अंग रहा है जो अब विलुप्त हो रहा है जिसे अभिनव संस्था द्वारा इसे जीवित रखने का यह सार्थक प्रयास है। नाटक के समापन पर विद्यालय प्राचार्य कमलेश चन्द्र मिश्र ने अभिनव संस्था के अध्यक्ष शैलेश श्रीवास्तव और उनके सदस्यों माइम प्रशिक्षक सर्वेश प्रजापति तथा आदित्य सिंह, शादमा खातून रूप सज्जा, ऋतिक श्रीवास्तव मंच सज्जा को आभार देते हुए विद्यालय के माइम प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया, बच्चों को इस नयी और कठिन विधा को सफलता पूर्वक निबाहने के लिए बधाई भी दी।

अंजनी चुने गये जेसीआई जौनपुर के 62वें अध्यक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जेसीआई जौनपुर के अध्यक्ष एवं सचिव का चयन/चुनाव नगर के एक होटल में चुनाव अधिकारी आशुतोष जायसवाल के निर्देशन व वर्तमान अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से अंजनी प्रजापति को 62 वें अध्यक्ष व सतीश जायसवाल को सचिव पद पर चयनित किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ संस्था के सदस्य राज साहू के आस्था पाठ से हुआ। इस दौरान पूर्व मण्डलाध्यक्ष राधेरमण जायसवाल, जोन अधिकारी डा. संदीप पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष क्रमशः संजय गुप्ता, डा. दिलीप सिंह ने चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया जिसके बाद चुनाव अधिकारी आशुतोष जायसवाल ने प्रक्रिया के नियमों को बताया। सभी पूर्व अध्यक्षों सहित सदस्यों की उपस्थिति में सदस्य अंजनी प्रजापति को वर्ष 2026 के लिये सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद हेतु चुना गया। साथ ही सचिव पद के लिये सतीश जायसवाल के नाम पर मुहर लगायी गयी। इसकी घोषणा वर्तमान अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने किया। इसके बाद नवचयनित अध्यक्ष प्रजापति ने अपनी स्वीकृति उद्बोधन में बताया कि जनपद की सबसे प्राचीन संस्था का अध्यक्ष होना मेरे लिये अत्यन्त गौरवपूर्ण है। संस्था के पूर्व अध्यक्षों के अनुभवों एवं नये साथियों को साथ लेकर इस संस्था को नई ऊंचाई

देने का प्रयास करूंगा। इसके पश्चात नवचयनित अध्यक्ष ने अपनी सम्पूर्ण कार्य योजना सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। वहीं सदन में उपस्थित लोगों ने नवचयनित अध्यक्ष और सचिव का माल्यार्पण करके स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व मण्डल अध्यक्ष आलोक सेठ, पूर्व अध्यक्ष क्रमशः कृष्ण कुमार जायसवाल, राकेश जायसवाल, शशांक सिंह, कोषाध्यक्ष प्रशांत सिंह, राज साहू, भरत सेठ, ताहिर कादरी, अजयनाथ जायसवाल, राजकुमार जायसवाल सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सतीश जायसवाल ने किया।

बाबा की नगरी काशी के गंगा में चलेगी देश की पहली हाइड्रोजन वाटर टैक्सी

4 दिसंबर से शुरू होगा संचालन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में काशी एक बार फिर देश के लिए नई तकनीक का मॉडल बनने जा रही है। यहां गंगा में देश की पहली हाइड्रोजन वाटर टैक्सी का संचालन 4 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। लगभग दो साल की प्रतीक्षा के बाद पर्यावरण अनुकूल इस परियोजना को केंद्र सरकार की अनुमति मिल गई है। केंद्रीय बंदरगाह, जल परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सवानंद सोनोवाल नमो घाट से टैक्सी को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

यह हाइड्रोजन वाटर टैक्सी पर्यटकों को कम समय में गंगा की सैर कराने में सक्षम होगी। टैक्सी शून्य प्रदूषण के साथ चलती है, जिससे गंगा की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। काशी में इसे पायलट आधार पर शुरू किया जा रहा है और सफल संचालन के बाद देश के अन्य महानगरों और तटीय शहरों में भी ऐसी टैक्सी सेवाओं पर विचार किया जाएगा।

इंडलैंड वाटरवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (क्हअक) के अधिकारियों ने बताया कि टैक्सी की सुरक्षा और दक्षता की सभी आवश्यक जांचें पूरी कर ली गई हैं। हाइड्रोजन ईंधन के अलावा इसमें वैकल्पिक रूप से इलेक्ट्रिक इंजन भी लगाया गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर टैक्सी इलेक्ट्रिक मोड पर भी संचालित की जा सके। ईंधन आपूर्ति के लिए गंगा तट पर चार स्थानों पर हाइड्रोजन रीफिलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इन स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक चार्जिंग प्वॉइंट भी उपलब्ध होंगे, जिससे टैक्सी दोनों मोड में सुचारू रूप से चल सकेगी।

अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय से अंतिम स्वीकृति मिलने में समय लग रहा था, लेकिन अब सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। संचालन शुरू होने के बाद यह परियोजना भारत में हाइड्रोजन-आधारित सार्वजनिक जल परिवहन की दिशा में कारगर कदम साबित होगी। इससे पर्यावरण-अनुकूल यातायात को बढ़ावा मिलेगा और काशी की पर्यटन क्षमता में भी बड़ा इजाफा होगा।

विधान परिषद की याचिका समिति की बैठक आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधान परिषद की याचिका समिति की बैठक कार्यकारी सभापति अशोक अग्रवाल जी के सभापतित्व में सर्किट हाउस सभागार वाराणसी में जनपद जौनपुर के अधिकारियों के साथ आयोजित की गयी।

सर्वप्रथम जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र सहित अन्य अधिकारीगण द्वारा सभापति तथा समिति के सभी सम्मानित सदस्यगण को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम तथा स्मृतिचिन्ह देकर स्वागत किया गया। सभापति ने नमामि गंगे, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, पंचायती राज विभाग, ऊर्जा विभाग, ग्राम विकास विभाग, नगर निगम, आवास-विकास से सम्बन्धित याचिका समिति के समक्ष विधान परिषद सदस्यों ने समय-समय पर उठाए गए जनहित के प्रकरणों से सम्बन्धित अद्यतन स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई।

समिति की बैठक में सर्वप्रथम अधि० अभियन्ता नमामि गंगे से ग्राम अहिलिया में हैण्डपम्प बोरिंग, आबादी के सापेक्ष नलकूप बोरिंग इत्यादि के संदर्भ में जानकारी ली गई, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग से पूर्व की याचिका के संबंध में पुलिया बनाने की मांग, के संदर्भ में जानकारी लेते हुए एक माह के अंदर समिति को आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। खेतासराय-खुटहन सड़क, जौनपुर-खुटहन मार्ग को बनाने की मांग से संबंधित फोटोग्राफ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, कार्य को ससमय और मानक के अनुसार

पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग से निषाद बस्ती को विद्युत आपूर्ति से आच्छादित करने, करंजाकला के दुधौरा गांव में विद्युतीकरण कार्य और सौभाग्य योजना के अंतर्गत किए गए कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की गई। ओटीएस योजना का प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि तहसील, ब्लाक स्तर पर भी होर्डिंग आदि के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाए।

उन्होंने सभी को निर्देश दिए की याचिकाकर्ता से अवश्य मिलते हुए उनसे संतुष्टि फीडबैक अवश्य प्राप्त करें। अधि० अभियन्ता ग्रामीण जल जीवन मिशन से पेयजल टंकियों के निर्माण की प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई।

समिति द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समस्त प्रकरणों पर बेहतर अन्तर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुये प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। समिति के मा० सभापति ने कहा कि जिन प्रकरणों पर शासन स्तर पर कार्यवाही अपेक्षित है उन्हें शासन को सन्दर्भित करते हुये प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये तथा नियमित रूप से अनुश्रवण भी किया जाये, जिससे प्रकरण शीघ्र निस्तारित हो सकें।

सभापति ने समस्त अधिकारियों को सम्बन्धित प्रकरणों के निस्तारण से सम्बन्धित फोटोग्राफ्स व स्पष्ट रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कहा कि जो प्रकरण बैठक में अभी लंबित रह गए हैं, उनका निस्तारण यथाशीघ्र कर समिति को अवगत कराया जाय।

सभापति द्वारा कहा गया कि सभी याचिकाएं आमजनमानस से जुड़ी होती हैं, हम सभी की जिम्मेदारी है कि उक्त याचिकाओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करके कार्य पूरा कराएं तथा निस्तारण सुनिश्चित करें।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी डा० दिनेश चन्द्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुये आश्वस्त कराया गया कि याचिका समिति द्वारा दिये गये निर्देश का अक्षरशः पालन किया जाएगा।

मौके पर याचिका समिति के सदस्यगण : आशुतोष सिन्हा, सौरभ सिंह, आशीष कुमार सिंह, मुकुल यादव, जिलाधिकारी डा० दिनेश चन्द्र, अपर पुलिस अधीक्षक शहरी आयुष श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० लक्ष्मी सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यातायात माह में पुलिस की अनोखी पहल, बांटे 60 हेलमेट, लगाया रिफ्लेक्टर

यातायात सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए पुलिस का विशेष अभियान

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात माह के तहत शुक्रवार को सीओ प्रतिमा वर्मा के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव मय फोर्स के साथ गोविन्दासपुर चौराहे पर यातायात अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने निःशुल्क हेलमेट वितरित किए और वाहनों में रिफ्लेक्टर लगाए।

सीओ प्रतिमा वर्मा और थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव ने यातायात अभियान के दौरान 60 हेलमेट महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों में वितरित किए। उन्होंने हेलमेट पहने मिले बाइक सवारों का सम्मान किया और उन्हें माला पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। पुलिस अधिकारियों ने हेलमेट के उपयोग को जीवन रक्षा का अनिवार्य उपाय बताते हुए लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया। साथ ही अभियान के तहत दो हजार वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए। सीओ प्रतिमा वर्मा ने अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का

पालन करना हमारी जिम्मेदारी है। कृपया नशे में ड्राइविंग न करें, हेलमेट पहनें, सीट बेल्ट लगाएं और मोबाइल फोन का उपयोग करने से बचें। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर हम अपनी और दूसरों की जान बचा सकते हैं। थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित रखना। हम हेलमेट और रिफ्लेक्टर के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्थानीय नागरिकों ने मुंगराबादशाहपुर पुलिस की इन पहलों को सड़क सुरक्षा के लिए बेहद प्रभावी बताया और इसकी सराहना की।इस अवसर पर सीओ प्रतिमा वर्मा, प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश यादव, उपनिरीक्षक महेश राव, उपनिरीक्षक सुनील यादव, उपनिरीक्षक सुरेन्द्र तिवारी,हेड कांस्टेबल रामचंद्र सिंह,हेड कांस्टेबल वीरेंद्र सिंह,हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र, कांस्टेबल दिनेश सोनकर, कांस्टेबल संदीप यादव आदि लोग मौजूद रहे।

छात्रा ने गोमती नदी में छलांग लगाकर जान देने का किया प्रयास, दो युवकों ने बचाई जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार दोपहर शहर कोतवाली स्थित गोमती

नदी में एमकॉम की छात्रा ने कूद कर आत्महत्या का प्रयास किया। कहीं जा रहे दो युवको ने नदी में कूद कर छात्रा की बचाई जान।

सूत्रों के मुताबिक सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्दीकपुर गांव निवासी अस्मिता उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्री राजमान गौतम घर से कॉलेज के लिए निकली थी बस्ता लेकर सद्भावना पुल केरारवीर मंदिर की सीढ़ी पर जाकर गोमती नदी में छलांग लगा दिया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे दो युवकों ने उसे डूबता देख गोमती नदी में दोनों कूद कर छात्रा को बचा लिया। जिसके चलते घाट पर काफी भीड़ लग गई। सूचना पर तुरंत कोतवाली पुलिस और बचाने वाले ओमकार निषाद व प्रभाकर निषाद ने डायल 108 नंबर एंबुलेंस कर्मचारियो के सहयोग से छात्रा को जिला अस्पताल पहुंचा कर भर्ती कराये। बस्ते में मिले आधार कार्ड के माध्यम से छात्रा के माता-पिता को सूचना दिया गया। सूचना पाकर परिवार के लोग पहुंच गए जिला अस्पताल। छात्रा मोहम्मद हसन डिग्री कॉलेज में एमकाम की छात्रा है। आत्महत्या का कारण ना तो लड़की ने बताया ना तो उसके माता-पिता ने ही बताया।

खड़े ट्रक में घुसी कार, एक की मौत तीन युवक गंभीर रूप से घायल

चोपन, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। चोपन स्थानीय थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मुख्यमार्ग पर प्रीतनगर में शुक्रवार की देर शाम उस समय हड़कंप मच गया जब तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़ी ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर तत्काल चोपन पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायलों को तुरंत चोपन सीएचसी भेजा गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद एक व्यक्ति को अज्ञात के रूप में मृत घोषित कर दिया, जबकि

दो घायलों की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में अभिषेक (30 वर्ष) पुत्र चंद्रभूषण तिवारी, निवासी बेहरा, लालगंज, आजमगढ़, आशुतोष तिवारी (35 वर्ष) पुत्र सुभाष चंद तिवारी, निवासी बेहरा, लालगंज, आजमगढ़ दोनों एक ही पते के बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक दुद्धी से अपने घर आजमगढ़ लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार प्रीत नगर के पास पहुंची, अचानक खड़ी ट्रक से टकरा गई, जिसमें कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने मृतक के शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं और दुर्घटना की जांच जारी है।

सलखन न्यू पीएचसी में हुआ मिनी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 362 मरीज हुए लाभान्वित

विशेषज्ञों की टीम ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, दवा, जाँच एवं परामर्श सहित दी सभी प्रकार की सुविधाएं

गुरमा,सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी लखनऊ के निदेर्शानुसार सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र तथा स्वाशासी राज्य चिकित्सा महा विद्यालय जनपद सोनभद्र द्वारा मिनी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन शनिवार को सलखन स्थित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सुबह 10 बजे से किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में आये हुए सभी व्यक्तियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व निःशुल्क दवा, जाँच एवं परामर्श सहित सभी प्रकार की सुविधा विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। जिसमें हेपेटाइ?टिस बी., सी. सिफिलिस टीबी, एच.आई.वी., चर्म रोग, गुप्त रोग, स्त्री रोग सहित सभी प्रकार के चिकित्सा की सुविधा प्रदान करने के साथ ही सम्पूर्ण केन्द्र में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारियां दी गयी। आयोजित मिनी स्वास्थ्य शिविर में कुल 362 मरीजों

जिसमें 167 पुरुष तथा 195 महिला मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व निशुल्क दवा, जांच एवं परामर्श विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।

मिनी स्वास्थ्य शिविर में डा.अनिकेत सिंह, डा.प्रियम सिंह, डा.अभिषेक विश्वकर्मा, काउंसलर एस.एस.के.सुनील श्रीवास्तव, ओ.आर.डब्ल्यू.एस.एस.के. सुनीता व अशोक सिंह, पियर एजुकेटर देवेश कुमार, ओ.आर.डब्ल्यू.टी. आई.प्रशांत पांडे, इंदू चौबे, शिवशंकर सिंह, पवन कुमार दुबे, दिनेश कुमार सिंह समेत तमाम ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुर्गों से भरी मैजिक खाई में पलटी, सैंकड़ों मुर्गे फरार, चालक घायल

चन्दवक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र में मैजिक वाहन टायर फटने से अनियंत्रित होकर गहरी खाई में पलट

गया। वाहन में लदी मुर्गों की जालियां टूटने से सैकड़ों मुर्गे सड़क पर व आस पास झाड़ियों में भागने लगे जिन्हें मौके पर मौजूद ग्रामीणो ने पकड़ कर अपने घर ले कर भाग गए। पूरा मामला चंदवक क्षेत्र में वाराणसी-आजमगढ़ मार्ग पर गोमती पुल के पास शनिवार की है। मैजिक वाहन आजमगढ़ से मुगलसराय की ओर मुर्गे लेकर जा रहा था। वाहन में चालक अखिलेश गौतम तथा मुर्गा व्यवसायी अजीत सोनकर और विजय सोनकर सवार थे। हादसे में सभी लोग सुरक्षित बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोमती पुल के पास अचानक वाहन का टायर फटते ही वह अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। पलटने के बाद जालियां टूट गईं और बड़ी संख्या में मुर्गे बाहर निकलकर भागने लगे। इतने में आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए मुर्गों को पकड़कर अपने घरों की ओर ले जाना शुरू कर दिया। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि ग्रामीणों ने उनके सैकड़ों मुर्गे लूट लिए। बाद में राहगीरों की मदद से कुछ मुर्गों को दोबारा जालियों में रखा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और जेसीबी की मदद से क्षतिग्रस्त मैजिक वाहन को खाई से बाहर निकाला गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

तीन झुग्गियों में लगी आग, गृहस्थी के साथ मुर्गियां जलकर हुई खाक

सुजानगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के नरहरपुर ग्राम सभा के बंधवार पटेल बस्ती में शुक्रवार शाम को आग लगने से तीन रिहायशी झुग्गी जलकर राख हो गई। वही पीड़ित शैलेन्द्र पटेल पुत्र राकेश पटेल ने बताया कि हमारी झुग्गी के उपर से बिजली का तार गया था जिसमें शार्ट सर्किट की वजह से ही हमारी झुग्गी में आग लगी है। आगे पीड़ित ने बताया कि आग लगने से

हमारी गृहस्थी का सारा सामान, अनाज तथा कुछ मुगीर्यां जलकर राख हो गई। इस दौरान ग्रामीणों ने नल तथा झोपड़ी के बगल स्थित तालाब के पानी से किसी तरह आग पर काबू पाया गया। पीड़ित परिवार द्वारा 112 नम्बर पर फोन करके सूचना दी गई, जो मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा ली।

बस एक आदत बदलिए बुढ़ापा अपने आप धीमा हो जाएगा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। दुनिया भर में लोग उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने के कारगर तरीके खोज रहे हैं। इंटरनेट पर एंटी-एजिंग की खोज लगातार बढ़ रही है, और बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने के तरीके सबसे लोकप्रिय विषयों में से एक हैं। ऐसे में, एक रूसी विशेषज्ञ इस समस्या का एक बेहद आसान लेकिन कारगर उपाय लेकर आए हैं।

रूसी मीडिया के अनुसार, इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजी ऑफ एजिंग के निदेशक प्रोफेसर एलेक्सी मोस्कालोव ने कहा है कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने का सबसे आसान तरीका अच्छी नींद लेना है। उनका कहना है कि नींद की कमी या अनिद्रा न केवल सामान्य स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि बढ़ती उम्र के लक्षणों को भी तेज करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कम घंटे की नींद और गहरी नींद दो अलग-अलग चीजें हैं। व्यक्ति कम सोता है, लेकिन अगर वह गहरी नींद लेता है, तो शरीर की आंतरिक मरम्मत और नवीनीकरण बेहतर होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, हर रात कम से कम दो घंटे की गहरी नींद जरूरी है। प्रोफेसर मोस्कालोव के अनुसार, स्मार्टवॉच या फिटनेस ट्रैकर के जरिए गहरी नींद को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है। साथ ही, शरीर में हार्मोन की मरम्मत, ऊतकों की मरम्मत और नवीनीकरण की प्रक्रिया भी होती है। गहरी नींद के दौरान ग्रोथ हार्मोन और अन्य महत्वपूर्ण हार्मोन बनते हैं जो उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि नींद की कमी या ₹उथली नींद₹ समय के साथ शारीरिक गिरावट को बढ़ाती है।

प्रोफेसर मोस्कालोव ने आगे कहा कि उच्च रक्त शर्करा का स्तर और हल्की सूजन भी उम्र बढ़ने को तेज करने वाले कारकों में से हैं। यदि सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) का स्तर 2 से अधिक हो जाता है, तो हृदय और रक्त वाहिकाओं के रोगों का खतरा बढ़ जाता है, जो एक सूजन वाली उम्र बढ़ने का संकेत देता है। इसका आदर्श स्तर 0.5 से कम होना चाहिए। इसी तरह, उन्होंने कहा, ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन रक्त में ग्लूकोज की परस्पर क्रिया को दशार्ता है और यह प्री-डायबिटीज का संकेत हो सकता है। चीनी शरीर के प्रोटीन को कठोर बना देती है और यह परिवर्तन अपरिवर्तनीय होता है, जिससे उम्र बढ़ने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

रोटरी फाउंडेशन डिस्ट्रिक्ट सेमिनार उपहार का सफल आयोजन

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम की ओर से उपहार- द रोटरी फाउंडेशन डिस्ट्रिक्ट सेमिनार का भव्य आयोजन गाँधी मैदान स्थित होटल पनाश में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार सरकार के कृषि मंत्री रामकृपाल यादव, विशिष्ट अतिथि अशोक महाजन, शब्बीर शाकिर, डॉ. एल बी सिंह, डॉ. अमिताभ बंका, डीजी नम्रता, आशीष बंका, सोनल जैन, चिंतन जैन व अनुराधा सर्राफ ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि उपहार जैसा कार्यक्रम समाज सेवा की दिशा में नई ऊर्जा जोड़ता है। रोटरी के माध्यम से होने वाले कार्य न केवल जरूरतमंदों के जीवन को संवारते हैं बल्कि समाज में सकारात्मक परिवेश भी तैयार करते हैं। उपहार कार्यक्रम से सामाजिक कार्यों को नई गति मिलेगी। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में रोटरी फाउंडेशन की महत्ता, समाजसेवी परियोजनाओं की रूपरेखा तथा आने वाले साल में पूरे डिस्ट्रिक्ट में लागू किए जाने वाले सामुदायिक कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित प्रस्तावों को भी सेमिनार में प्राथमिकता दी गई। कार्यक्रम की चेयरपर्सन सोनल जैन ने कहा कि क्लब द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक परियोजनाओं में उपहार कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और सामुदायिक विकास को नई दिशा देगा। सेमिनार के दौरान कई सदस्यों को रोटरी फाउंडेशन में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोटेरियन, युवा सदस्यों, अतिथियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नम्रता ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रोटरी क्लब समाज सेवा के उद्देश्य से आगे भी इसी प्रकार जनहितकारी गतिविधियों को निरंतर जारी रखेगा। मौके पर रोटेरियन अनीता बीजपुरिया, ज्योति अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, तृषा बंका, सारिका लोहिया सहित क्लब से जुड़े सभी सदस्य मौजूद रहे।

डीएम ने की गौआश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक की, दिए महत्वपूर्ण निर्देश

बलरामपुर। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के गौआश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पशुपालन विभाग, पंचायत विभाग एवं संबंधित अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद के सभी गौआश्रय स्थलों पर रहने वाली गौवंशों को उचित देखभाल प्राथमिकता है, इसलिए हरा चारा, पानी, चिकित्सा सुविधा, ठंड से बचाव एवं स्वच्छता की स्थिति सुव्यवस्थित एवं संतोषजनक होनी चाहिए।

उन्होंने निर्देशित किया कि गौवंशों के लिए चारे की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी आश्रय स्थल पर चारे की कमी न होने पाए। साथ ही पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, फॉगिंग एवं नियमित सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि गौआश्रय स्थलों की निगरानी और पारदर्शिता के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, जिससे व्यवस्थाओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कैमरों की रिकॉर्डिंग नियमित रूप से चेक की जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्यवाही की जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के सभी पशु चिकित्सालयों की बेहतर स्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सक नियमित रूप से अस्पताल में उपस्थित रहें तथा मरीजों और पशुपालकों को समय पर उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि दवाइयों, टीकों एवं आवश्यक उपकरणों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध रहे। यदि कहीं कमी हो तो विभाग तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करे।

जिलाधिकारी ने कहा कि गौआश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाए और निरीक्षण की रिपोर्ट समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री हिमांशु गुप्ता, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

जापान ने मुस्लिम कब्रिस्तान बनाने की अनुमति ठुकराई

इंटरनेशनल डेस्क : जापान ने देश के भीतर मुस्लिम कब्रिस्तानों के निर्माण की योजनाओं को सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। इस फैसले पर जापान ने बिल्कुल भी विचार नहीं किया और इसे अपनी पुरानी परंपराओं के अनुरूप बताया है। जापान की ओर से इस निर्णय पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट बयान दिया गया है। मिजुहो उमेमुरा ने कहा जापान में शवदाह की परंपरा है।

भाजपा के जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति का महराजगंज में जोरदार स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार को क्षेत्र के मां इंद्रा होम्यो क्लीनिक के संचालक डॉक्टर रमेश चन्द्र प्रजापति के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के नए जिला अध्यक्ष जौनपुर को माल्यापण कर जोरदार स्वागत किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में बताया कि हमारी पार्टी सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास को बढ़ावा देने का काम करती है मैं अपने कर्तव्य निष्ठा का परिपूर्ण पालन करूंगा। इस अवसर पर डॉक्टर रमेश चन्द्र प्रजापति, योगेंद्र विश्वकर्मा, सूरज सिंह (भाजपा नेता), कुलदीप विश्वकर्मा पत्रकार (श्री कमलम टीम), अजय जायसवाल (डब्बल), प्रिंस मोदनवाल (राजन), अशोक मौर्य, सतेंद्र प्रजापति, शेर बहादुर प्रजापति, अनिल प्रजापति, अमरीश सिंह, आदि सम्मानित लोग शामिल रहे।

अपहरण व पाक्सो एक्ट के मुकदमे में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति) थाना बरसठी पुलिस द्वारा अपहरण व पाक्सो एक्ट के मुकदमे में वांछित 01 आरोपी को किया गया गिरफ्तार, अपहृता बरामद ' क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के कुशल पर्यवेक्षण एवं दिशाह्निर्देश में थाना बरसठी पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-191/25 धारा-137(2), 87, 64(1) बी0एन0एस0 व 3/4 पाक्सो एक्ट में वांछित आरोपी आदित्य सिंह पुत्र सुनील सिंह निवासी ग्राम बरेठी थाना बरसठी जनपद जौनपुर को मुखबीर खास की सूचना पर मियांचक बस अड्डे से किया गया गिरफ्तार तथा अपहता/पीडिता बरामद कर, गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

काशीगाव पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई : पंजाब की महिला दलाल चला रही थी मुंबई में वेशयव्यवसाय का कारोबार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा अंतर्गत एक महीला दलाल गिरफ्तार और 2 पीडीत लडकियां को क्राइम ब्रांच की टिम ने सेक्स रैकट के दलदल से रेस्क्यू किया। आज एमबी वीवी पुलिस आयुक्तालय, महिला अत्याचार प्रतिबंधक विशेष बालकांचे संरक्षण व कालजी कक्ष, सिनियर पीआई शीतल मुंढे मैडम को गुप्त सूचना मिली थी की, मीरा रोड के काशीगांव पुलिस स्टेशन की हद में, वसोर्वा नाका,फाउंटेन होटल के पास एक महीला दलाल ग्राहकों को लडकियो के फोटो भेजकर देहव्यापार के लिए लडकीया सप्लाई करने आने वाली हैं। फिर क्राइम ब्रांच की टिम ने फाउंटेन होटल के पास बोगस ग्राहक और पंच द्वारा भेजकर ट्रैप लगाकर छापा मारा। क्राइम ब्रांच की टीम ने छापे में एक महिला दलाल को हिरासत में लेकर उक्त महीला दलाल के चंगुल से 2 पीडीत लड़कियो को देहव्यापार के दलदल से रेस्क्यू किया। महिला दलाल ग्राहकों को लडकियो के फोटो भेजकर वेश्याव्यवसाय का गोरख कारोबार विगत 2/3 सालो से अहमदाबाद, बैंगलोर, पुणे ,मुंबई ठाणे व मीरा भायंदर में चला रही थी।

गिरफ्तार महिला दलाल का पंजाब में कौन साथीदार दलाल हैं व कितनी और लडकियो को देहव्यापार में धकेला हैं उसकी भी जाँच पड़ताल क्राइम ब्रांच की टीम कर रही हैं। अब क्राइम ब्रांच की टीम गिरफ्तार महीला दलाल के उपर इठर की धारा 143(3))ओर पीटा एक्ट 4,5 के तहत कानूनी कारवाई और 2 पीडीत लडकियो को महिला सुधारगृह में भेजने की कानूनी प्रकिया कर रही हैं। यह कारवाई एम बी वीवी आयुक्तालय के वरीष्ठ अधिकारियो क्राइम ब्रांच के डीसीपी संदीप डोईफोडे, और एसीपी मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में महिला अत्याचार प्रतिबंधक विशेष बालकांचे संरक्षण व कालजी कक्ष मि. भा. व. वि सीनीयर पीआई शीतल मुंढे मैडम, पीएस आई संदीप शिंदे, एएसआई राजाराम आसावले, महिला पुलिस निशिगंधा मांजरेकर , शीतल जाधव और टिम ने किया।

पुलिस ने 2 पीड़ित लडकियां भी सेक्स रैकट के दलदल से रेस्क्यू की

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति) मीरा भायंदर के एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के नवघर पुलिस स्टेशन (भाईदर ईस्ट) की टिम ने न्यू गोल्डन नेस्ट, अक्वा रीजेंसी होटल के पास बोगस ग्राहक भेजकर छापा मारा पुलिस ने छापे में एक महिला दलाल को हिरासत में लेकर 2 पीडीत लडकियो को जिस्म फरोशी के दलदल से रेस्क्यू किया। गिरफ्तार महिला दलाल ग्राहकों को लडकियो के फोटो भेजकर वेश्याव्यवसाय का गोरख कारोबार विगत कई महीनों से ठाणे, मुंबई, मीरा भायंदर और वसई विरार में चला रही थी।

गिरफ्तार महिला दलाल ने कितनी और लडकियो को देहव्यापार में धकेला हैं, और इसके कितने साथीदार हैं उसकी भी जाँच पड़ताल नवघर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही हैं। गिरफ्तार महिला आरोपी के उपर BNS की धारा 143(1),143(3) व पीटा एक्ट 4, 5 के तहत कानूनी कारवाई और 2 पीडीत लडकियो को महिला सुधारगृह में भेजने की कानूनी प्रकिया नवघर पुलिस स्टेशन की टिम कर रही हैं। यह पीटा एक्ट की कारवाई एमबीवीवी आयुक्तालय के वरीष्ठ अधिकारियो व नवघर पुलिस स्टेशन की पीआई तृप्ति देशमुख मैडम के मार्गदर्शन में, पीआई दत्तात्रय ढूमे, पीएस आईं संदीप व्हसकोटी एच सी संतोष पाटील, सतीश बोराडे, सुनील लाड, प्रदीप काटकर, महीला पुलिस श्रुति गाजरें, सातकर मेडम और नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने संयुक्त रूप से कारवाई किया।

थाणे पुलिस ने इंटरनेशनल सेक्स रैकेट का किया पदार्फाश

थाणे (उत्तरशक्ति)। थाणे शहर में कासारवडवली पुलिस स्टेशन की पीआई प्रियतमा मुठे को एनजीओ से खबर मिली कि, कासारवडवली पुलिस स्टेशन की हद घोड़बंदर रोड, आनंद नगर सिंगल, सूरज बायके होटल के पास एक थाईलैंड की महिला दलाल ग्राहकों को थाईलैंड की लड़कियों के फोटो भेजकर देहव्यापार के लिए लडकीया सप्लाई करने आने वाली है। कासारवडवली पुलिस स्टेशन की टीम ने आनंद नगर सिंगल, सूरज बायके होटल के पास कस्टमर भेजकर छापा मारकर एक थाईलैंड देश की महिला दलाल को हिरासत में लेकर 2 थाईलैंड देश की पीड़ित लडकियो को वेश्याव्यवसाय के दलदल से रेस्क्यू किया। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है कि थाईलैंड देश की महिला दलाल के कितने और भी साथीदार है, और कितनी थाईलैंड देश के पीडीत लडकिया वेश्याव्यवसाय में लिप्त हैं। गिरफ्तार थाईलैंड देश की महिला दलाल और रेस्क्यू 2 पीडीत लडकियो के भारत में रहने की वीजा भी खत्म हो गई है। कासारवडवली पुलिस थाईलैंड देश की महिला दलाल को गिरफ्तार करके इठर और पीटा एक्ट की धाराओं के तहत कानूनी कारवाई कर रही हैं। व 2 थाईलैंड देश की पीडीत लडकीयों को सुरक्षित महिला सुधाकर भेजने की कानूनी प्रक्रिया कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करके पीटा एक्ट के तहत कानूनी कारवाई थाणे पुलिस आयुक्तालय के वरीष्ठ अधिकारियों जोन 5 के डीसीपी प्रशांत कदम और कासारवड़वली पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई के मार्गदर्शन में कार्रवाई किया गया जिसमें कासारवडवली पुलिस स्टेशन की पीआई प्रियतमा मुठे मैडम और कासारवडवली पुलिस की टिम ने संयुक्त रूप से सामील थी।

मोटोरोला ने मोटो जी 57 पावर लॉन्च किया

रांची। मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर और भारत का अग्रणी एआई स्मार्टफोन ब्रांड, ने आज 12,999 रुपये में अपना सर्वश्रेष्ठ बजट फोन मोटो जी57 पावर लॉन्च करने की घोषणा की। यह डिवाइस शक्तिशाली दुनिया के पहले स्नैपड्रैगन 6एस जेन 4 प्रोसेसर के साथ बजट श्रेणी को फिर से परिभाषित करता है।

किसान पांच दिसंबर तक करें गेहूं की बुआई

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के कृषि विभाग ने किसानों के लिए गेंहू की बुआई पांच दिसंबर तक अवश्य पूरा कर लेने का सुझाव दिया है। महाराजगंज प्रखंड के कृषि पदाधिकारी कुंदन कुमार ने कहा है कि राजेंद्र गेहू 3 और राजेंद्र गेहूं-4 किस्में अनुशंसित हैं। बीज को बुआई से पहले बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित करना आवश्यक बताया हैं। आलू की बुआई पर भी जोर कृषि पदाधिकारी श्री कुमार ने आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का सलाह दिया दिया है। विगत माह में लगाये गये आलू के पौधों की उंचाई 15-20 सेमी हो जाने पर आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करने, कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी बादशाह, कुफरी लालीमा, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी आनन्द, कुफरी पुष्कर, कुफरी अरुण, कुफरी गिरधारी, कुफरी सदाबहार, राजेन्द्र आलू आदि। राजेन्द्र आलू 2 तथा राजेन्द्र आलू-31 बीज दर 25-30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखने, पंक्ति से पक्ति की दूरी 50-60 से०मी० एवं बीज से बीज की दूरी 15-20 सेमी रखने, आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आंख वाले टुकडे को उपचारित कर 24 घंटे के अन्दर लगाने की सलाह दी है। छिटकयों विधि से बुआई के लिए 125 किलोग्राम तथा सीड ड्रिल से पंक्ति बुआई के लिए 100 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त बताया है। बुआई से पूर्व खेत में 150-200 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिलाना लाभकारी बताया हैं।

सोनभद्र:पीपरडीह प्राथमिक विद्यालय से लालता प्रसाद गौड़ के घर तक सड़क की हालत जर्जर

दुद्धी ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विकासखंड अंतर्गत गांव की सड़कों को एन एच की सड़कों से जोड़कर विकास को रफ्तार देने की आँस ग्राम पीपरडीह प्राथमिक विद्यालय के पास से जहां सैकड़ो छात्र-छात्राओं व हजारों आदिवासी झ गिरिवासियों के आवागमन का केन्द्र ग्राम पीपरडीह का सड़क हैं जिसकी हालत अत्यंत जर्जर है। उक्त संदर्भ में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुरेन्द्र कुमार गौंड द्वारा संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायती प्रार्थना पत्र देकर घनघोर वर्षा से खंडहर में तब्दील जर्जर सड़क को पीडब्ल्यूडी विभाग से निर्माण कराए जाने की मांग 2 अगस्त 2025 को किया है। बावजूद जनहित संदर्भित मांग कार्य रूप में परिणित नहीं हो सकी है। जिसके संदर्भ में ग्रामीणों अमर सिंह, मंजू देवी, रीता, दीनानाथ आदि ने प्रधान प्रतिनिधि संग प्रदर्शन शनिवार को कर सड़क का निर्माण शीघ्र कराए जाने की मांग किया है।

खाद कालाबाजारी करने वालों पर होगी कार्रवाई

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज ई-किसान भवन में शनिवार को प्रखंड उर्वरक निगरानी के लिए बैठक हुई। इसमें किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विचार-विमर्श किया गया। जनप्रतिनिधियों ने विभागीय पदाधिकारियों से कहा कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना चाहिए। सरकारी स्तर से निर्धारित मूल्य पर खाद की बिक्री और कालाबाजारी व अनियमितता पर पूरी तरह रोक लगनी चाहिए। पंचायत प्रतिनिधियों ने किसानों की समस्याएं जोर-शोर से उठाई। समस्याओं से अवगत होते हुए बीडीओ बिंदु कुमार ने बीएओ व कृषि समन्वयक की बातें सुनने के बाद कहा कि प्रखंड क्षेत्र के सभी खाद दुकानों का नियमित निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई भी अनिवार्य हो। इसका खासतौर पर ध्यान रखना होगा। ताकि, किसानों को उचित मूल्य पर रासायनिक उर्वरक मुहैया हो सके। प्रखंड कृषि पदाधिकारी कुंदन कुमार ने कहा कि सभी खाद विक्रेताओं की दुकान पर प्रतिदिन सूचना पट्टी पर स्टॉक एवं बेचे जाने वाली उर्वरक का मूल्य हर हाल में अंकित रहना चाहिए तथा दुकान से संबंधित सभी रजिस्टर हर हाल में अपटूडेट रहना चाहिए। मनमानी तौर पर खाद बेचने वाले खाद विक्रेताओं के खिलाफ शिकायत मिलने पर जीरो टॉलरेंस पॉलिसी के तहत तत्परता एवं त्वरित गति से कार्रवाई की जाएगी।

सांसद प्रिया सरोज ने बांटे नि :शुल्क सहायक उपकरण

-दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के मछलीशहर विकास खंड क्षेत्र के बसेरवा स्थित जवाहर लाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में शनिवार को सामाजिक अधिकारिता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को भारत सरकार की ADIP योजना तथा राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज रहीं। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंदों तक सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिक हमारी सामूहिक जिम्मेदारी हैं और सरकार उन्हें सशक्त, आत्मनिर्भर व सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शिविर में व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल, श्रवण यंत्र, स्मार्ट केन, बैसाखी, छड़ी, चश्मा और कृत्रिम अंग सहित कई प्रकार के सहायक उपकरण लाभार्थियों को प्रदान किए गए। वरिष्ठ नागरिकों ने बताया कि इन उपकरणों से उनके दैनिक जीवन में काफी सहूलियत मिलेगी। सांसद प्रिया सरोज ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे शिविर लगातार आयोजित होते रहेंगे, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं विद्यालय प्रशासन का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर जज सिंह अन्ना, ग्राम प्रधान राकेश कुमार यादव, रोहित यादव, अजीत कुमार यादव (बड़े बाबू), हरिशंकर यादव, जयहिंद यादव, रामशंकर, आशाराम यादव तथा अधिवक्ता अरविंद कुमार यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शनिवार सुबह मामूली विवाद में दो आभूषण व्यवसायी भाइयों की मनबढ़ों ने पिटाई

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के वाराणसी रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर शनिवार सुबह मामूली विवाद में दो आभूषण व्यवसायी भाइयों की मनबढ़ों ने पिटाई कर दी। घटना में एक भाई गम्भीर रूप से घायल हो गया जबकि दूसरा मामूली रूप से घायल है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्रापत जानकारी के अनुसार क्षेत्र के दिलावरपुर गांव निवासी गणेश सेठ अपनी होण्डा शाइन मोटरसाइकिल से जंगीगंज बेलवा स्थित अपनी आभूषण की दुकान खोलने जा रहे थे। वाराणसी रोड पर रेलवे क्रॉसिंग पर जाम लगा हुआ था जहां धीरे-धीरे अपनी बाइक निकल रहे थे कि इसी दौरान पीछे से आ रहे एक वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इस मामूली टक्कर के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई जो जल्द ही हाथापाई में बदल गयी। आरोप है कि तीन मनबढ़ युवकों ने गणेश की ईंट–पत्थर से जमकर पिटाई कर दी। घायल गणेश ने मोबाइल पर अपने परिजनों को सूचना दी जिसके बाद उनके बड़े भाई सुधीर सेठ भी मौके पर पहुंच गये। सुधीर ने बीच–बचाव करने का प्रयास किया लेकिन हमलावर युवकों ने उनकी भी पिटाई कर दी। मारपीट में दोनों भाइयों को गम्भीर चोटें आयीं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इकट्ठा होकर एक हमलावर को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दे दिया। मड़ियाहूं कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल भाइयों को इलाज के लिए सीएससी भेज दिया और पकड़े हमलावर को भी पुलिस थाने ले गयी। पीड़ित गणेश ने पुलिस को अमित सरोज, अजीत सरोज और आशू नामक लोगों के खिलाफ लिखित तहरीर दी है। मडियाहूं कोतवाली प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि घायलों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है जिसके साथ ही मामले की जांच–पड़ताल भी शुरू कर दी गयी है।

पिकअप की टक्कर से रेलवे क्रॉसिंग का बूम उखड़ा, कई घंटे रहा यातायात बाधित

जफराबाद , जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुरझकेराकत मार्ग स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर शनिवार दोपहर एक मनबढ़ पिकअप चालक ने बंद हो रहे बूम में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बूम फाउंडेशन सहित उखड़कर टूट गया। घटना के बाद दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और कई घंटों तक यातायात प्रभावित रहा। प्रतिदिन हजारों वाहनों की आवाजाही वाली इस क्रॉसिंग पर दोपहर करीब 11:15 बजे जौनपुर की ओर से आ रही पिकअप ने तेज रफ्तार में बूम को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से पिकअप लेकर फरार हो गया। जाम में फंसे स्कूल के बच्चों को भी काफी परेशानी झेलनी पड़ी। करीब आधे घंटे बाद आरपीएफ चौकी प्रभारी प्रभुनारायण सिंह ने मौके पर पहुंचकर वाहनों को धीरे-धीरे पार कराना शुरू किया। वर्तमान में स्लाइड बूम की मदद से ट्रेनों, मालगाड़ियों और नागरिक वाहनों को पास कराया जा रहा है। चौकी प्रभारी प्रभुनारायण सिंह ने बताया कि पिकअप की पहचान हो चुकी है और चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। वहीं स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार ने कहा कि टूटे बूम के फाउंडेशन का कार्य चल रहा है, तब तक आरपीएफ जवान स्लाइड बूम के सहारे यातायात नियंत्रित कर रहे हैं।

परंपराओं से बँधा जीवन श्रेष्ठ होता है–प्रेमभूषण महाराज

-लाल शेखर सिंह

विदिशा (उत्तर शक्ति)। मध्यप्रदेश के विदिशा स्थित गंज बासौदा के श्रीधाम बासौदा दरबार में ₹आओ गायें रामकथा घर घर में₹इस आध्यत्मिक आंदोलन के प्रणेता पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में 25 नवम्बर से 3 दिसंबर तक नित्य दोपहर 1 से4 बजे के सत्र में आयोजित 9 दिवसीय रामकथा में प्रेमभूषण महाराज ने व्यासपीठ से श्रोताओं को श्रीसीताराम विवाह पंचमी की मंगल बधाई देते हुए कहा कि जीवन का व्यवहार मन में होता है तभी जगत में अवतरित होता है। जिस परिवार की पाँच पीढ़ियों का बोध हो वही परिवार श्रेष्ठ है।जीवन परंपराओं से बधा है इसलिए विवाह में शाखोच्चार के समय दस पीढ़ियों की चर्चा होती है।जीवन में निष्ठा से ही प्रतिष्ठा प्राप्त होती है।मानस के व्यवहार घाट के लोकप्रिय वक्ता प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि श्रेष्ठ के आसन,बासन, अनुशासन और सिंहासन को प्रयोग करने से स्वयं को बचाना चाहिए। कथा व्यास ने कहा कि,अनाधिकारी को यदि अधिकार प्राप्त हो जाता है, तो वे उत्पाती हो जाते हैं।आरक्षण से आने वाले अधिकारी इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं।

संत, मंत्र, ग्रंथ और श्रेष्ठ में श्रद्धा रखनी चाहिए क्योंकि श्रद्धा ही फलती है इसलिए मन मुखिया नही होना चाहिए.प्रेमभूषण महाराज ने श्रोताओं को रामकथा का माहात्म्य समझाते हुए कहा कि,लोककल्याण करने वाली पावन रामकथा गंगा जिसके भी जीवन में अवतरित हो जाती है उसका जीवन धन्य हो जाता है किंतु अशांत चित्त से भक्ति,भजन संभव नही है। भगवान का भजन करने वाले को भगवान इच्छित फल अवश्य प्रदान करते हैं।संसार में ज्ञानी और मूर्ख भी रघुनाथ जी की ही रचना हैं। जीव की विडंबना है कि वह जगत व्यवहार से बाहर निकल नही पाता, वह सर्वकाल भगवान से अपना और अपनों के हित लाभ की इच्छा रखता है। जीवन में स्वर्ण की अधिकता भूख-प्यास नींद चैन का हरण कर लेती है अतः गोल्डन बाबा बनने की इच्छा से मुक्त हुआ जाये।मानस के नामकरण संस्कार प्रसंग के आश्रय में रामकथा गायन करते हुए प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि मनुष्य का नाम माता-पिता व सद्गुरु के द्वारा रख दिया जाता है।नाम तीन प्रकार के होते हैं राशि नाम, पुकार नाम और संस्कार नाम। तीसरा नाम हमारे आचार विचार, व्यवहार के अनुसार इष्ट मित्र, स्नेही- स्वजनों और समाज द्वारा हमें प्राप्त होता है।बालक का नाम मौसा-मौसी व अन्य रिश्तेदारों को छोड़कर गुरु एवं योग्य आचार्य से ही रखवाना चाहिए।

कथा प्रसंगों के बीच प्रेमभूषण महाराज ने .अंगनैया में रघुवर खेला करें..,सरजू के तीर आज खेलैं रघुनंदन बबुआ, रामकथा गंगा सुगम बही जाये,जय जय रामकथा जैसे कई लोकप्रिय भजनों को सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। अधिवक्ता राजेश शर्मा के संकल्प से श्रीधाम बासौदा में आयोजित इस रामकथा महोत्सव में श्रोताओं की अपार भीड़ के बीच महंथ महेश्वर त्यागी, पूर्व विधायक निषंग जयंत, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश तिवारी, विधायक हरिसिंह रघुवंशी, अधिवक्ता अरविंद तिवारी, अमान सिंह राजपूत, भाजपा नेता, पंडित राघव प्रिया, वरिष्ठ पत्रकार यशपाल यादव आदि गणमान्य जनों ने भी कथा श्रवण का लाभ प्राप्त किया।

किआ इंडिया ने लॉन्च किया शाइन जोन

मुंबई। देश की प्रमुख मास-प्रीमियम कार निमार्ता कंपनी किआ इंडिया ने आज जयपुर में अपना पहला शाइन जोन कार डिटेलिंग स्टूडियो शुरू किया। किआ की डीलरशिप परिसर में स्थापित यह अत्याधुनिक सुविधा उन ग्राहकों के लिए बनाई गई है, जो अपनी कारों के लिए उच्च-स्तरीय, पेशेवर और विश्वसनीय देखभाल चाहते हैं।

शाइन जोन में कारों की संपूर्ण डिटेलिंग और सुरक्षा के लिए कई विशेष सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें सेरामिक कोटिंग, एक्सटीरियर एन्हांसमेंट, इंटीरियर एनरिचमेंट, एसी डिसइंफेक्शन ट्रीटमेंट और अंडरबॉडी प्रोटेक्शन शामिल हैं। इन सेवाओं का उद्देश्य वाहन की चमक और बाहरी संरक्षण को लंबे समय तक बनाए रखना तथा समग्र परफॉर्मेंस को बेहतर करना है। ग्राहकों की सुविधा और भरोसे को ध्यान में रखते हुए, शाइन जोन एक आधुनिक, अच्छी तरह सुसज्जित और प्रोफेशनल रूप से संचालित केंद्र उपलब्ध कराता है, जो किया कार मालिकों के लिए वाहन देखभाल के अनुभव को और बेहतर बनाता है। इस लॉन्च पर बोलते हुए अतुल सूद, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट – सेल्स एवं मार्केटिंग, किआ इंडिया ने कहा, आज का ग्राहक सुविधाजनक और पारदर्शी तरीके से प्रोफेशनल-ग्रेड कार केयर अनुभव चाहता है। शाइन जोन उसी अपेक्षा को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। डीलरशिप के भीतर पूर्णतः सुसज्जित डिटेलिंग स्टूडियो उपलब्ध कराते हुए, हम गुणवत्ता, विशेषज्ञता और सुविधाजनक अनुभव – तीनों को एकसाथ ला रहे हैं। यह पहल हमारे इस वादे को और मजबूत करती है कि किआ अपने हर वाहन की देखभाल उतने ही ध्यान से करेगा जितनी बारीकी से उसे बनाया जाता है। शाइन जोन के माध्यम से ग्राहक अपनी कार के लिए बेहतरीन डिटेलिंग और प्रोटेक्शन सेवाएँ एक ही जगह पर पा सकते हैं, जिससे उन्हें विशेषज्ञ स्तर की वाहन देखभाल तक पहुँचना और भी आसान हो जाता है। विशेष उपकरणों, प्रशिक्षित तकनीशियनों और मानकीकृत गुणवत्ता प्रक्रियाओं के साथ, शाइन जोन आज के समझदार कार मालिकों की उम्मीदों के अनुसार लगातार, भरोसेमंद और पारदर्शी सेवा प्रदान करता है। प्रीमियम डिटेलिंग सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए, पहले शाइन जोन की शुरूआत के साथ किआ इंडिया ने अपने डीलरशिप नेटवर्क में इस सुविधा को धीरे-धीरे विस्तार देने की योजना बनाई है। इससे अधिक से अधिक किआ ग्राहकों को कंपनी के भरोसेमंद आफ्टर-सेल्स इकोसिस्टम के भीतर ही प्रोफेशनल-ग्रेड वाहन देखभाल का लाभ मिल सकेगा।